बर्षः- 05
अंकः- 350
मुरादाबाद
(Wednesday)
15 April 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

जाति से ऊपर उठें, अमीर-गरीब की खाई मिटे, तभी बनेगा समरस भारत;राष्ट्रपति मुर्मू की अपील

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुजरात में सामाजिक समरसता महोत्सव में जातिगत विभाजन से ऊपर उठकर अमीर और गरीब के बीच की खाई को पाटने का आह्वान किया। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और गांवों के विकास पर भी जोर दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को लोगों से जातिगत विभाजन से ऊपर उठकर एक समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश को अब %अमीर और गरीब% के बीच की खाई को पाटने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। डॉ. बी.आर. अंबेडकर की जयंती के अवसर पर गुजरात के गांधीनगर में सामाजिक समरसता महोत्सव को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि जाति व्यवस्था अतीत की बात है और लोगों को अब एक समाज के रूप में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा जिन्होंने जाति व्यवस्था बनाई, वे अब नहीं रहे। हमें मिलकर आगे बढ़ना चाहिए और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करना चाहिए। एक तरह से, अब केवल दो ही जातियां हैं - हैव्स (अमीर) और हैव-नॉट्स (गरीब)। उन्होंने पिछड़ों के उत्थान की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी मौजूद थे।राष्ट्रपति ने एकता का आह्वान करते हुए कहा किसी को भी केवल अपने हित के बारे में नहीं सोचना चाहिए। हम सब एक हैं। हम भाई-बहन हैं। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक एकता पर जोर देते हुए कहा कि देश की परंपराएं करुणा, समानता, आपसी कल्याण और सद्भाव में निहित हैं। उन्होंने कहा, सभी विभाजनों से ऊपर उठकर और बिना किसी भेदभाव के एकजुट खड़े रहना

सामाजिक सद्भाव की सच्ची अभिव्यक्ति है। गांव समृद्ध होंगे, तो देश समृद्ध होगा राष्ट्रपति मुर्मू ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत के विकास और सामाजिक ताने-बाने में गांव केंद्रीय भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा राष्ट्र की आत्मा उसके गांवों में बसती है। एक सामंजस्यपूर्ण समाज के निर्माण का मार्ग गांवों से होकर गुजरता है। विविधता के बावजूद, गांवों में लोगों के बीच स्नेह, गर्मजोशी और आपसी समझ है और यह भारतीय संस्कृति की सच्ची भावना को दर्शाता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यदि गांव समृद्ध होंगे, तो देश समृद्ध होगा। शिक्षा व्यक्तिगत और राष्ट्रीय विकास दोनों की नींव- राष्ट्रपति- डॉ. बी.आर. अंबेडकर का स्मरण करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि उनका सद्भाव का संदेश स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित था। अंबेडकर के स्वयं को शिक्षित करो संदेश को याद करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा व्यक्तिगत और राष्ट्रीय विकास दोनों की नींव है। उन्होंने कहा शिक्षा के मूल में राष्ट्र और समाज का विकास निहित है। हमारे संविधान ने शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाया है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम यह सुनिश्चित करें कि गांवों या शहरों के हाशिए पर पड़े वर्गों के लोगों को शिक्षा मिले। नैतिक मूल्यों और स्वास्थ्य पर जोर- राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को भी बढ़ावा देना चाहिए। व्यापक शिक्षा, विशेष रूप से नैतिक शिक्षा के माध्यम से, सामाजिक सद्भाव के बंधन मजबूत होते हैं। उन्होंने स्वास्थ्य और स्वच्छ वातावरण के महत्व पर भी प्रकाश डाला, यह कहते हुए कि ये दोनों व्यक्तियों और समाज की प्रगति के लिए आवश्यक हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने व्यक्तियों से दूसरों के उत्थान में योगदान करने का भी आह्वान किया। उन्होंने समाज के लाभ के लिए अपनी क्षमताओं का उपयोग करने के बारे में एक व्यक्तिगत संदेश साझा किया। राष्ट्रपति ने कहा सफल होना अच्छी बात है, लेकिन यह तभी सार्थक होता है जब आप पीछे मुड़कर देखें कि आप कितने लोगों की मदद कर सकते हैं। आप पूरे राष्ट्र को नहीं बदल सकते हैं, लेकिन आपको खुद से पूछना चाहिए कि आप दूसरों के लिए क्या कर सकते हैं। स्थानीय समुदायों की भूमिका पर भी जोर- राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहायता प्रदान की जा रही है, लेकिन लोगों को सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा सरकार अपना कर्तव्य निभा रही है, लेकिन लोगों को भी आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रयास करना चाहिए। राष्ट्रपति ने समावेशी विकास और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देने में सहकारी क्षेत्र और स्थानीय समुदायों की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने सामाजिक कल्याण में सुधार के लिए स्वच्छता, वृक्षारोपण और पशुपालन से संबंधित पहलों का भी आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार

सीएम ममता ने भाजपा को बताया बांग्ला-विरोधी जमींदार, कहा- कर रहे पूरे राज्य को बांटने की कोशिश

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता ने चुनावी रैली में भाजपा पर तीखा हमला करते हुए उसे बांग्ला-विरोधी जमींदार बताया और आरोप लगाया कि वह राज्य के लोगों को बांटने और लोकतांत्रिक अधिकार छीनने की कोशिश कर रही है। उन्होंने जनता से एकजुट होकर इन ताकतों का विरोध करने की अपील की।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनावी रैली के दौरान भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने विपक्षी दल को बांग्ला-विरोधी जमींदार बताते हुए आरोप लगाया कि भाजपा राज्य के लोगों को बांटने और उनके लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने की कोशिश कर रही है।ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी रैली का वीडियो साझा करते हुए बीरभूम, पूर्व और पश्चिम बर्धमान और बांकुड़ा के मतदाताओं से अपील की कि वे टीएमसी को लगातार चौथी बार सत्ता में लाएं। उन्होंने लिखा कि राज्य की जनता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और पिछले 15 वर्षों में जो कुछ भी हासिल हुआ है, वह मां-माटी-मानुष की साझी ताकत का नतीजा है।उन्होंने कहा कि मेरे भाई-बहन मेरी सबसे बड़ी पूंजी हैं। बीरभूम, पूर्व और पश्चिम बर्धमान व बांकुड़ा ने मुझे प्यार और आशीर्वाद का ऋणी बना दिया है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी मां-माटी-मानुष सरकार ऐतिहासिक चौथी बार वापसी करेगी।

अर्पित की श्रद्धांजलि, बोले- नोएडा की घटना सरकार की नाकामी

डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही सामाजिक न्याय की लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया।उत्तर प्रदेश में आज डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई जा रही है। प्रदेश में इस वर्ष आंबेडकर जयंती केवल स्मृति दिवस के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, जागरुकता और जनसंपर्क के व्यापक अभियान के रूप में मनाई जा रही है।

राजधानी लखनऊ में हजरतगंज स्थित आंबेडकर प्रतिमा पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बाबा साहेब को पुष्पार्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उन्होंने सामाजिक न्याय की लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया। कहा कि हजारों साल के संघर्ष के खिलाफ लड़ाई जारी

रहेगी। हमारा संविधान सम्मान और अधिकारों का आधार है।

सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा संविधान बदलने की मंशा रखती है। संविधान बचाने के लिए यूपी की जनता का धन्यवाद है। संविधान कागज नहीं, लोहे की तलवार है। यह न्याय और सम्मान दिलाने वाला है।

उन्होंने कहा कि नोएडा में जो कुछ हुआ, वह इस सरकार की नाकामी की वजह से हुआ। सरकार को इसकी जानकारी थी। इसके बावजूद इसे होने दिया गया।

अगर, यह कोई साजिश है, तो इसके लिए सीएम और भाजपा जिम्मेदार है। 2027 में भाजपा सत्ता से बाहर हो जाएगी। हम सब मिलकर सामाजिक न्याय का राज स्थापित करने के लिए काम करेंगे।

सम्राट चौधरी होंगे बिहार के नए मुख्यमंत्री, भाजपा ने चुना अपना नेता

भाजपा पहली बार बिहार में अपना सीएम बनाने जा रही है। सम्राट चौधरी बिहार के नए मुख्यमंत्री होंगे। इससे पहले, खरमास का अंतिम दिन नीतीश कुमार के इस्तीफे और विधायकों की बैठक के नाम है।विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद सम्राट चौधरी ने भाजपा के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि 20 साल से मैं राजनीति में सक्रिय हूं लेकिन पहले कोई विचारधारा नहीं थी। 2015 में भाजपा के साथ जुड़ने का अवसर मिला। तब से पार्टी ने जब जो दायित्व दिया, उसे मैंने जिम्मेदारी के साथ निभाया। मुझे पार्टी ने कई पदों पर काम करने का मौका दिया। पार्टी ने मुझ पर भरोसा किया। जब बिहार में एनडीए की सरकार बनी तो मुझे उपमुख्यमंत्री बनने का सौभाग्य मिला। 2025 में जब दोबारा हम की सरकार बनी तो मुझे गृह विभाग के मंत्री और उपमुख्यमंत्री के तौर पर काम करने का अवसर मिला। आज मुझे फिर से एक बड़ी जिम्मेदारी दी गई है, इसे मैं निभाने की पूरी कोशिश करूंगा।केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सभी विधायकों ने विजय कुमार सिन्हा द्वारा प्रस्तावित सम्राट चौधरी के नाम पर स्वीकृति दी। इसके बाद सर्वसम्मति सम्राट चौधरी को विधानमंडल दल के नेता के रूप में चुन लिया गया। सम्राट सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए हैं। मैं उन्हें बधाई देता हूं। नीतीश कुमार ने 20 साल तक बिहार की सेवा की। उन्होंने बिहार को बदल दिया। बिहार को जंगलराज से मुक्ति दिलाई। नीतीश कुमार ने जो किया,

उसकी मिशाल पूरा हिन्दुस्तान दे रहा है। उन्होंने बेटियों को साइकिल दी, महिलाओं को आरक्षण दिया। शराबबंदी नीति लाई। देश में पहला कृषि रोड मैप लाया। अब नीतीश कुमार के काम को सम्राट चौधरी और तेजी से ले जायेंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय सिन्हा ने कहा कि मैं पार्टी के विधानमंडल के नेता के रूप में सम्राट चौधरी के नाम का प्रस्ताव रखता हूं। इसके बाद रेणु देवी, मंगल पांडेय, दिलीप जायसवाल समेत विधायकों ने उनके नाम पर स्वीकृति प्रदान की। इसके बाद सम्राट चौधरी को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुन लिया गया।राजद से जदयू के रास्ते भाजपा पहुंचे सम्राट चौधरी बिहार के नए मुख्यमंत्री होंगे। भाजपा पहली बार बिहार में अपना मुख्यमंत्री दे रही है। वीर चंद्र पटेल मार्ग स्थित भाजपा कार्यालय में पार्टी के विधायक दल की बैठक में सभी वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुन लिया गया। अब सम्राट कुछ देर में लोकभवन जाकर नई सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। दो बार डिप्टी सीएम रहे सम्राट चौधरी बिहार के नए मुख्यमंत्री होंगे। हालांकि, अब तक उनके नाम के आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है लेकिन भाजपा के विश्वस सूत्रों की मानें तो सम्राट चौधरी ही बिहार के नए मुख्यमंत्री होंगे। भाजपा कार्यालय में सम्राट चौधरी का भव्य स्वागत किया गया। नीतीश कुमार भी सम्राट चौधरी ही मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे। कहा जा रहा है कि भाजपा आलाकमान ने नीतीश कुमार के कहने पर ही सम्राट चौधरी के नाम पर मुहर लगाई। भाजपा के विधायकों की बैठक भी शुरू हो चुकी है। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विजय सिन्ह समेत सभी वरिष्ठ नेता मौजूद हैं। इस बैठक के बाद एनडीए के विधायक दल की बैठक होगी। बिहार के नए मुख्यमंत्री के लिए सम्राट चौधरी का नाम लगभग तय हो गया है। चार बजे के बाद नए मुख्यमंत्री के नाम का पर्चा शिवराज सिंह खोलेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपना इस्तीफा राज्यपाल सैयद अता हसनैन को सौंप दिया। उनके साथ डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय चौधरी भी हैं। राज्यपाल ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। करीब छह मिनट तक बातचीत के नीतीश कुमार लोकभवन से बाहर निकले। नीतीश कुमार हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपना इस्तीफा देने के लिए लोक भवन पहुंच गए हैं। उनके साथ सम्राट चौधरी और विजय चौधरी भी पहुंचे। कुछ ही देर में वह राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपेंगे। इससे पहले सीएम हाउस से नितिन नवीन, सम्राट चौधरी और शिवराज सिंह चौहान से निकले।

बाबा साहेब की 135वीं जयंतीः राष्ट्रपति, PM मोदी समेत अन्य हस्तियों ने डॉ आंबेडकर को नमन किया

बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर देश के सभी बड़े नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। संसद भवन के परिसर में स्थित डॉ. आंबेडकर के प्रेरणा स्थल पर उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें पुष्प अर्पित किए।बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत अन्य सियासी हस्तियों ने उन्हें नमन किया। इसी के साथ उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे समेत अन्य सांसदों ने संसद परिसर में स्थित बीआर आंबेडकर प्रेरणा स्थल पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, भारतीय संविधान के मुख्य निर्माता और महान समाज सुधारक बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर, मैं उन्हें सादर श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। बाबासाहेब एक न्यायविद, अर्थशास्त्री, गहन विचारक, विधि विद्वान और समतावादी सामाजिक व्यवस्था के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने

अपना जीवन समाज के वंचित और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया और उनके हित में ऐतिहासिक योगदान दिया। बाबा साहेब के आदर्शों को आत्मसात करें = राष्ट्रपति मुर्मू- राष्ट्रपति ने कहा, उन्होंने न केवल असमानताओं को दूर करने का मार्ग दिखाया, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक अधिकारों को मजबूत करने में भी अग्रणी भूमिका निभाई। डॉ. आंबेडकर ने महिलाओं की शिक्षा और उनके अधिकारों को प्राथमिकता दी। उनके बहुआयामी योगदान आने वाली पीढ़ियों को देश की सेवा और विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। इस अवसर पर, आइए हम बाबासाहेब अंबेडकर के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने और एक न्यायपूर्ण, समावेशी और प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लें। राष्ट्र निर्माण में बाबा साहेब के प्रयास प्रेरणादायक = पीएम मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, बाबासाहेब डॉ. आंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि। कार्य पीढ़ियों को एक न्यायपूर्ण और प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करता रहेगा। बाबा साहेब की विरासत को कमजोर करने में लगीं कुछ ताकतें = राहुल गांधी- कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा, बाबा साहेब ने हमें सिर्फ संविधान नहीं, न्याय, समानता और सम्मान पर आधारित एक सशक्त भारत का सपना दिया। लेकिन आज कुछ ताकतें सुनियोजित तरीके से बाबासाहेब की इस विरासत और हमारे संविधान को कमजोर करने में लगी हैं - लोकतांत्रिक संस्थाओं को खोखला किया जा रहा है, अधिकारों को कुचला जा रहा है, और समता की सोच पर हमला हो रहा है। यह देश बाबासाहेब के विचारों पर बना है - मैं पूरी शक्ति के साथ, आखिरी दम तक इनकी रक्षा के लिए लड़ता रहूंगा। हम सब मिल कर बाबा साहेब के सपनों के भारत को फिर से साकार करेंगे। आप सभी को अंबेडकर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं। बाबा साहेब ने किया था धारा 370 का विरोध - अमित शाह- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी ने हर वर्ग को समान अधिकार और अवसरों की स्वतंत्रता देने वाला संविधान देकर हमारे लोकतंत्र की मजबूत नींव रखी। उन्होंने देश की अखंडता के लिए धारा 370 का मजबूती से विरोध किया। समाज को शिक्षित बनने और संगठित रहने का मंत्र देने वाले बाबासाहेब का जीवन यह सिखाता है कि जब संकल्प देशसेवा और लोगों के कल्याण का हो, तब हर बाधा छोटी हो जाती है। सामाजिक न्याय के पुरोधा, संविधान शिल्पी बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी को उनकी जयंती पर नमन। राजनाथ सिंह ने भी किया

संपादकीय Editorial

Talks Fail, War Will Continue

The US-Iran peace talks failed and were inconclusive. This was their destiny. Although a significant diplomatic effort was made, with representatives from the two enemy countries meeting face-to-face, in three rounds of talks lasting 21 hours, the talks failed due to stubbornness and US "bullying." This was the second time since September 2013 that representatives from the US and Iran met face-to-face and communicated. At that time, then-US President Barack Obama invited Iranian President Hassan Rouhani. Even then, the fundamental issue was the nuclear program. Talks between then-US Secretary of State John Kerry and his Iranian counterpart, Mohammad Javad Zarif, resulted in a nuclear deal in 2015. Of course, it was later canceled. This time, the US wanted Iran to destroy approximately 450 kg of enriched uranium or allow the US to take it back to its country. How was agreement possible on this? Iran has flatly refused to abandon its nuclear program. However, its strategy for developing a nuclear bomb remains unclear. However, Russia claims that Iran has already developed nuclear weapons. This is extremely terrifying and devastating news, but we must await the announcement from Iran and the International Atomic Energy Agency (IAEA). US Vice President J.D. Vance declared the peace talks a failure due to Iran's stubbornness on the nuclear issue and returned to Washington with the delegation at 7:35 a.m. Iran claims that agreement had been reached on two or three issues. The US, needing an excuse to withdraw from the talks and start another war, declared the talks a failure. Iran also clarified that it has no plans to resume talks in the near future. Now, the ball is in America's court. Iran also stated that the Strait of Hormuz remains unresolved. Iran will still control the area, and US-Israeli ships will not be able to pass through it. The US did not discuss the freezing of Iran's assets or the imposition of sanctions. It is noteworthy that the US has imposed 711 sanctions on Iran, and Iran's assets worth ?11 lakh crore have been frozen by the US, UK, and the European Union. There is also a statement that Iran is demanding the release of assets worth ?93 lakh crore. Billions of its assets are also frozen by Japan and China. The serious and relevant question is whether the US will impose a new war on Iran. President Trump knows that his popularity within the US has plummeted significantly. Sixty-seven members of the Senate and Congress have demanded that President Trump be removed from office. This demand could lead to impeachment. Petrol prices in the US alone have risen by 35 percent, an unprecedented increase. Is war the only option left for President Trump? The Strait of Hormuz is an international sea route. Its closure prevents the daily movement of 15 million barrels of oil. Qatar and the United Arab Emirates' LNG exports, which used to flow through this route, are also affected. Due to the war, these countries have virtually halted production, as Iranian missile and drone attacks have caused massive damage to their LNG plants. India also has 14-15 ships and tankers currently stranded on the Strait of Hormuz. India's gas crisis is so severe that people are resorting to coal stoves or kerosene stoves. Their prices have also been increased several times in the market. If the Strait of Hormuz remains closed, how long can India avoid an energy crisis, a gas crisis, and a food crisis? Does the US only see uranium? Is Trump not concerned about the 3 million Iranians displaced by the war, the destruction of nearly 100,000 residential homes, the destruction of Iran's graveyard, and the losses of approximately $140-145 billion?

E-cigarette smoke is no less dangerous; it's carcinogenic.

The smoke inhaled by vapers contains a variety of chemicals. This smoke exhibits cancer-causing properties. Evidence that smoking damages the lungs dates back to the 1880s. However, it took nearly 100 years to prove that smoking causes lung cancer. So what about electronic or e-cigarettes? People who vape (e-cigarettes) are more likely to start smoking than non-smokers. However, the evidence is not yet clear that e-cigarettes cause cancer. However, we identified all peer-reviewed research published between 2017 and 2025 that studied the health effects of vaping, suggesting a potential cancer-causing link. The smoke inhaled by vapers contains a variety of chemicals, including nicotine and its byproducts, and vaporized metal particles. This smoke exhibits nearly all of the "carcinogenic properties" identified by the World Health Organization. Blood and urine tests confirmed that vapers were absorbing e-cigarette chemicals known to be linked to cancer. We found changes in the DNA of vapers' mouths and lungs, further evidence of exposure to carcinogens. Furthermore, changes in cancer-associated biomarkers were also found in vapers' lung and oral tissues. These biomarkers are changes that appear in cells or molecules before tumors form. Available evidence suggests that nicotine-based vaping may increase the risk of mouth and lung cancer. However, it is unclear how many cases will result in cancer. Researchers say it is no longer reasonable to assume that vaping poses a lower cancer risk than smoking. Our study examines vaping as a cause of cancer. However, we currently lack direct evidence that vapers are experiencing higher rates of cancer than expected. Just as it took 100 years to establish a link between smoking and cancer, it may take decades to establish a link between vaping and cancer. This will require studying people who only vape. Therefore, carefully planned research is needed to detect cancer early. If such research were funded now, it could save many lives. – From The Conversation

The Strait of Hormuz is the world's most important gateway—a path for some, a destiny for others!

The Strait of Hormuz is a small passage, but its impact is immense. Some countries have options, but for many, it is the only gateway. Therefore, it's not just a sea route, but the most important center of global power and politics. Hormuz appears to be a thin line on a map, but in reality, it's the gateway through which the world's economy breathes. If unrest escalates here, oil becomes more expensive. If tensions rise, markets falter. If this passage is blocked, the lives of many countries could come to a standstill. But there's one thing that few people understand: this passage isn't equal for everyone. Some have options, while for others, it's everything. To understand Hormuz, first understand what this place is. Iran above, Oman below, the United Arab Emirates nearby, and a narrow sea passage in between. This passage connects the Persian Gulf to the outside world. The vast majority of the oil stored within the Gulf flows out through this route. The statistics are straightforward. Nearly a fifth of the world's oil passes through this route every day. Oil from Saudi Arabia, Iraq, Kuwait, Qatar, the UAE, and Iran flows through this route to India, China, Japan, Europe, and elsewhere. This means that on one side are the Gulf countries, and on the other, the entire world, and this is the only gateway between the two. But now understand the real difference. Oman is unique in this entire game. It sits outside this route, directly connected to the sea. It does not have to depend on the Strait of Hormuz for its trade. Even if the Strait is closed, Oman's progress remains unstoppable. The United Arab Emirates has also made preparations in advance. It has arranged to transport its oil to Fujairah via a separate pipeline. Fujairah is a port located outside this route, meaning that if necessary, the Emirates can send its oil to the world without going through the Strait of Hormuz. Saudi Arabia is even more forward-thinking. It has built a route to transport oil from within its country to the Red Sea on the other side. From there, ships can exit directly, meaning they have two routes. If one is closed, the other is open. Now, look at the countries that have no other option: Iraq, Kuwait, Qatar, and Iran itself. All of them are within the Persian Gulf. They have only one exit, the Strait of Hormuz. If this gate closes, their oil, their trade, everything will stop there. Think of it like a house with only one door. If it closes, everything inside will remain inside. This is the situation of these countries. This is why the Strait of Hormuz is not just a waterway; it is a game of power. Those who have the option remain cautious, while for those who have no other option, it becomes a matter of both life and business. The world's major countries want to keep this route open at all costs, because a blockage there means a global oil shortage and a surge in prices. Iran, on the other hand, sits very close to this point and knows it's its greatest strength, so whenever tensions escalate, the Strait of Hormuz is the first to come up. Recent events have demonstrated this again. Shipping traffic has slowed, and there have been disruptions at several locations, reminding the world once again how significant an impact this small passage truly holds. Simply put, understanding Hormuz isn't just about looking at a map. It's about understanding how the world works, how oil is transported, and how a thin line can change major decisions.

Bengal Assembly Elections 2026: What is the electoral standing of the Left?

Jyoti Basu served as Chief Minister for over 23 years, from June 21, 1977, to November 5, 2000. In every election held during his tenure as Chief Minister, the Left Front won over 200 seats, and the CPM won over 150 seats. The Left parties, which were in power for 34 consecutive years from 1977 to 2011, are now struggling. Ten years after being ousted from power, they failed to even open their account in the 2011 Assembly elections. Now, in the 2026 Assembly elections, they are contesting with the support of mostly new and young faces. Why did this happen to the Left parties? Before understanding this, it's essential to take a look back and see how they fell from peak to zero. When he came to power in 1977, Jyoti Basu himself was stunned by the electoral performance of the Left parties. This was a pleasant surprise for the CPM and the Left Front. Why wouldn't it be? The Left Front won 231 seats in the 294-member assembly, while the CPM, playing the role of the elder brother, won 178 seats. The CPM itself had 30 seats more than the majority. Jyoti Basu served as Chief Minister for over 23 years, from June 21, 1977, to November 5, 2000. In every election held during his tenure as Chief Minister, the Left Front won over 200 seats, while the CPM won over 150 seats. This meant the CPM would win a majority on its own, but Jyoti Basu adhered to the coalition dharma with exemplary respect. He gave due representation and respect to all the leftist parties within the Left Front. After coming to power, in the second assembly elections of 1982, the Left Front won 209 seats and the CPM 174 seats. In the third assembly elections in 1987, the Left Front won 212 seats and the CPM won 187 seats. In the fourth assembly elections in 1991, the Left Front won 204 seats and the CPM won 182 seats. In the fifth assembly elections in 1996, the Left Front won 213 seats and the CPM won 153 seats. In light of Jyoti Basu's age-related infirmity, Buddhadeb Bhattacharya was appointed Deputy Chief Minister on January 12, 1999, a position he held until November 5, 2000. Following Chief Minister Jyoti Basu's resignation, Buddhadeb Bhattacharya was sworn in as Chief Minister on November 6, 2000, and served until May 20, 2011. Three assembly elections were held during Buddhadeb Bhattacharya's tenure. In his first assembly elections in 2001, the Left Front won 211 seats and the CPM won 143 seats. For the first time, the CPM fell five seats short of a majority. The TMC won 60 seats, becoming the main opposition party. In the second assembly election in 2006, the Left Front won 235 seats, while the CPM won 176. In the third assembly election in 2011, the Left Front won only 62 seats, while the CPM won 40. The TMC won 184 seats and came to power in 2011. Buddhadeb Bhattacharya subsequently retired from active politics due to ill health. Dr. Suryakant Mishra succeeded Buddhadeb Bhattacharya, and in the 2016 assembly elections, the CPM won only 26 seats. On the other hand, the TMC won 211 seats, with its highest tally of 187 falling to 26. In the 2021 assembly elections, the Left Front failed to win a single seat. The TMC won 215 seats, or more than 200, for the second time. Why and what happened to the Left parties after 34 years in power that caused them to plummet from the pinnacle to zero? No such serious allegations of corruption were leveled against the government, any minister, or MLA. In 2011, when the TMC overthrew the party's 34-year rule, the CPM still retained 40% of its vote bank. But what happened was that in just a decade, this stronghold collapsed like a house of cards, and its vote share dwindled to 5%? In fact, the habit of power, the exodus of cadres to the BJP, and the neglect of young leadership marginalized the red flag. Then, when the Left Front initiated the re-establishment of industries, incidents like Singur and Nandigram worsened the situation, and public opinion turned against the party itself. Those already fed up with the CPM took to the streets in protest. Mamata Banerjee's TMC took advantage of this and secured power. On the other hand, the political vacuum created by the disappearance of the Left vote was filled by the BJP, a party with a similar cadre base to the Left. While the BJP is ideologically the polar opposite of the Left and a new and strong force in Bengal, the question remains: how did Left voters shift towards this opposing ideology? Was it simply to express their anti-incumbency sentiment against the Mamata Banerjee government in the state? In the absence of a strong Left party and a severely weakened Congress, the BJP found an unexpected ally in the Red camp, its diametrically opposed party. CPM workers significantly assisted the BJP in fighting the Trinamool Congress at the grassroots level. Thanks to this organizational support, the BJP was able to secure a significant share of the anti-TMC and pro-Leftist vote. The BJP won a historic 77 seats in the 2021 Assembly elections. This completely marginalized the other two opposition parties, the Congress and the CPM, who failed to win a single seat in the 2021 Assembly elections. The Left parties, including the CPM, also failed to win a single seat in the 2024 Lok Sabha elections. However, after the party's break with the public and the exodus of youth, a significant number of young people.

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव: मुरादाबाद जिले में बढ़ गए 37 हजार वोटरों के नाम, 22 को फाइनल सूची होगी जारी

मुरादाबाद जिले में पंचायत चुनाव से पहले डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन के बाद करीब 37 हजार नए वोटर जोड़े गए हैं। अब कुल मतदाताओं की संख्या 15.10 लाख हो गई है। दो चरणों में 1.24 लाख डुप्लीकेट नाम हटाए गए है।त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर शासन से मिली डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची के सत्यापन के बाद जिले में करीब 37 हजार वोटर बढ़ गए हैं। मतदाता पुनरीक्षण से पहले जिले की पंचायतों में 14.73 लाख वोटर थे। अब इनकी संख्या 15.10 लाख हो गई है। मतदाताओं की फाइनल सूची 22 अप्रैल को जारी की जाएगी। जिले में पंचायत चुनाव से जुड़े वोटरों की सूची की एआई से जांच कराई गई थी। इसके बाद चुनाव आयोग ने दो चरणों में डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची सत्यापन के लिए जिला प्रशासन को भेजी थी।पहले चरण में आयोग ने 2.35 लाख डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची भेजी थी। जांच के बाद पहले चरण में करीब 71 हजार डुप्लीकेट मतदाता पाए गए। सभी लोगों के नाम सूची से हटाए गए। दूसरे चरण आयोग ने 4.66 लाख से अधिक डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची भेजी थी। इस सूची का बीएलओ ने सत्यापन किया। दूसरी सूची में 53 हजार से अधिक मतदाता डुप्लीकेट पाए गए। दोनों चरणों में 1.24 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाएंगे। सत्यापन के दौरान मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं। सूची से नाम हटाने और नए नाम जोड़ने के बाद पंचायतों में मतदाताओं की संख्या करीब 15.10 लाख हो गई है। जो मतदाता पुनरीक्षण से पहले की संख्या से करीब 37 हजार अधिक हो गई है। पहले जिले की पंचायतों में 14.73 लाख वोटर थे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी संगीता गौतम ने बताया कि फाइनल सूची 22 अप्रैल को जारी की जाएगी। किस ब्लॉक में कितने मिले थे डुप्लीकेट मतदाता ब्लॉक मतदाता- मुरादाबाद सदर 18501 मूंढापांडे 30951 भगतपुर टांडा 29604 ठाकुरद्वारा 19985 डिलारी 26996 बिलारी 34848 कुंदरकी 47490 छजलैट 27009

मंडी सुधार को आए 11 करोड़ पांच माह से डंप, आढ़तियों के विवाद से रुका विकास

करीब 46 वर्ष पूर्व सन् 1980 में स्थापित स्थानीय मंडी आज बदहाल स्थिति से जूझ रही है। मंडी के विकास और आधुनिकीकरण के लिए सरकार द्वारा स्वीकृत करीब 11 करोड़ रुपये की धनराशि पिछले पांच महीनों से निष्क्रिय पड़ी हुई है। मंडी में नई दुकानों, सड़कों और प्रकाश व्यवस्था को सुधारने के लिए यह बजट जारी किया गया था। इसमें बी क्लास की 14 दुकानों के निर्माण के लिए लगभग 6 करोड़ रुपये तथा सी क्लास की 72 दुकानों के निर्माण के लिए करीब पांच करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। हालांकि, मंडी के आढ़तियों द्वारा प्रस्तावित निर्माण कार्यों का विरोध किए जाने के चलते मंडी प्रशासन ने निर्माण कार्य पर रोक लगा दी है। विरोध के कारण विकास योजनाएं ठप पड़ गई हैं और स्वीकृत धनराशि उपयोग में नहीं लाई जा सकी है। स्थानीय व्यापारियों और किसानों का कहना है कि मंडी की खराब सड़कों, जर्जर दुकानों और अपर्याप्त प्रकाश व्यवस्था के कारण उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद सुधार कार्यों में हो रही देरी चिंता का विषय बनी हुई है।अब सवाल यह है कि जब विकास के लिए उपलब्ध संसाधनों का उपयोग ही नहीं हो पा रहा, तो मंडी की बदहाल स्थिति में सुधार कब और कैसे होगा। मंडी सचिव नवीन फल सब्जी मंडी संजीव कुमार ने बताया कि पहले आढ़ती मंडी में बनी दुकानों की खस्ता हालत को सुधारने के कई प्रदर्शन तक कर चुके हैं। काफी प्रयास के बाद सरकार ने मंडी के सौंदर्यीकरण के लिए इस बार बड़ी धनराशि आवंटित की है तो अब कुछ आढ़ती इसका विरोध कर रहे हैं। निर्माण की धनराशि अभी वापस नहीं की गई है। यदि आढ़तियों की आपसी सहमति बनती है तो निर्माण कराया जाएगा।

योजना अधूरी: इस गर्मी भी साफ पानी की आस नहीं होगी पूरी, मुरादाबाद में जल जीवन मिशन योजना का हाल बुरा

गर्मी की दस्तक के साथ ही जल संकट गहराने लगा है। मुरादाबाद जिले के ग्रामीण इलाकों में जल जीवन मिशन के अधूरे कार्य और खराब पाइपलाइन व्यवस्था के चलते जलापूर्ति ठप है। इससे लोगों को भीषण गर्मी में भी पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है।गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। साफ पानी हर घर की जरूरत है लेकिन जल जीवन मिशन के करोड़ों के काम जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में मुकाम तक नहीं पहुंच सके। कहीं ओवरहेड टैंक अधूरे हैं तो कहीं पाइपलाइन का काम। कुछ जगह बिछने के फौरन बाद ही पाइप लाइन जवाब दे गई। कुछ जगह सप्लाई शुरू करते ही पाइप लाइन लीकेज की समस्या उठ खड़ी हुई। इन के स्थान पर खामोशी से जलापूर्ति रोक दी कह रहे हैं कि अफसरों के ध्यान न देने से में पाइप लाइन बिछे तब पहुंचे घरों तक पानी- मिशन के तहत पांच करोड़ खर्च करके बने रहा। पाइप लाइन बिछाने का काम अधूरा पहुंच सकी। सहसपुर निवासी मोहम्मद वसीम पूरा हो चुका है लेकिन अब भी इससे साफ के अनुसार अभी 25 प्रतिशत हिस्से में पाइप कहा कि पानी की नई टंकी बनने के बाद भी जल निगम बिलारी के अवर अभियंता मुकेश सहसपुर के कुछ ग्रामीण कनेक्शन लेने में जाएगी। मझरा बांहपुर में ओवरहेड टैंक अधूरा, मिलक बांहपुर के मझरा बांहपुर में दो साल

स्थितियों के बीच जिम्मेदारी तय करके कार्रवाई करने गई। ग्रामीण तरह-तरह की शिकायतें रखने के साथ इस गर्मी में भी पानी के लिए जूझना तय है।सहसपुर बिलारी के रुस्तमनगर सहसपुर गांव में जल जीवन ओवरहेड टैंक का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा होने से इस टैंक से पानी की आपूर्ति घरों तक नहीं ने बताया कि टैंक का निर्माण लगभग एक साल पहले पानी मिलने का इंतजार है। मोहम्मद सलीम अंसारी लाइन नहीं बिछ पाई है। विमल, कल्लू, सुरजा, पूजा ने स्वच्छ पानी लाने के लिए इधर-उधर जाना पड़ता है। सैनी ने बताया कि टेस्टिंग का काम चल रहा है। सहयोग नहीं कर रहे हैं। जल्द स्थिति सुधार ली हैंडपंप भी नहीं- कुंदरकी ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत पहले घर-घर साफ पानी पहुंचाने के लिए काम शुरू हुआ था लेकिन जलापूर्ति अब तक शुरू नहीं हो सकी है। ओवरहेड टैंक का निर्माण अधूरा है। गांव निवासी ईश्वरी सिंह ने बताया कि पाइप लाइन बिछाने के बाद रास्ते दुरुस्त न कराने से समस्या आ रही है। पानी मिला नहीं, रास्तों की हालत और बिगड़ गई। ओमप्रकाश ने कहा कि अभी तक ओवरहेड टैंक तैयार नहीं हुआ। लिहाजा पानी नहीं मिल सका। नदीम पाशा के अनुसार मझरे में कोई भी इंडिया मार्का हैंडपंप नहीं है। इससे पानी के लिए और जूझना पड़ता है। कासमपुर में ओवरहेड टैंक तैयार पर पानी का इंतजार -कांठ गांव कासमपुर में जल जीवन मिशन के तहत ओवरहेड टैंक तैयार हुए छह महीने से ज्यादा बीत गए लेकिन पूरे गांव में पाइप लाइन अभी नहीं बिछ सकी है। लिहाजा लोगों को साफ पानी का इंतजार बरकरार है। गांव निवासी रामकुमार सिंह ने बताया कि पाइप लाइन बिछे हिस्से में एक-दो बार पानी छोड़ा तो लीकेज होने लगी। मुन्ने ने कहा कि बेटे मोहम्मद इमरान ने कनेक्शन ले रखा है लेकिन पानी अब तक नहीं मिला। शमशाद अली ने भी यही बात दोहराई। कहा कि टेस्टिंग में ही पाइप लाइन लीकेज शुरू होने के बाद किसी की जिम्मेदारी भी तय नहीं की गई। ग्राम सचिव उर्वशी सिंह ने लाइन में जगह-जगह लीकेज की बात स्वीकार की। कहा कि जिम्मेदारों को समस्या बताई जा चुकी है। पाइप लाइन लीक, नहीं आता पानी- मूंढापांडे के ग्राम पंचायत भीतखेडा में जल जीवन मिशन के तहत बनी टंकी एक साल से शोपीस बनी है। गांव के निवासी अफसर अली, आरिफ, मोहम्मद इकबाल, रियासत अली ने बताया कि पाइप लाइन बिछाई गई थी लेकिन सप्लाई शुरू नहीं की। दुर्गा सिंह, रुकम सिंह ने पाइप लाइन लीकेज की समस्या बताई। छत्रपाल ने कहा कि जिन घरों में पानी आता है, वहां प्रेशर बहुत कम है। मझरा मिलक मनकरा में भी एक साल के काम के बाद घरों में साफ पानी का इंतजार है। यहां रहने वाले रामौतार ने कम प्रेशर की समस्या बताई। भूकन लाल सैनी के मुताबिक घर तक पाइप लाइन न बिछाने की शिकायत रखी। वेदराम और प्रेम सिंह का कहना है कि पाइप लाइन टूटने से दो महीने से घरो में गंदा पानी आ रहा है। समाथल में टंकी बनी मगर पानी नहीं मिला - पाकबड़ा के ग्राम पंचायत समाथल में वर्ष 2022 में लगभग 353.98 लाख की लागत से पानी की टंकी बनाई गई लेकिन घरों तक पानी नहीं पहुंचा। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में पाइप लाइन बिछाने का कार्य भी काफी समय पहले पूरा हो चुका है लेकिन पानी का इंतजार है। ग्रामीण चंद्रसेन, रमेश, करन सिंह और लकी ने बताया कि टंकी बनने के बाद न तो पानी सप्लाई क लिए टेस्टिंग की गई और घरों तक पानी पहुंचाने पर ध्यान दिया गया। लोगों को आज भी पेयजल के लिए हैंडपंप और अन्य साधनों पर निर्भर रहना पड़ता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द घर-घर पानी की सुविधा की मांग की है। गुजरे चार साल, बैजनाथपुर का वही हाल - ठाकुरद्वारा ग्राम पंचायत बैजनाथपुर में हर घर जल योजना का काम शुरू हुए चार साल से ज्यादा का वक्त हो गया। डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक का बजट निर्धारित था। चार साल बाद भी लोगों का घरों में साफ पानी आने का सपना पूरा नहीं हो सका। ग्रामीणों ने बताया कि पाइपलाइन बिछाकर गांव के 170 घरों में कनेक्शन दे दिए लेकिन ओवरहेड टैंक से पानी की आपूर्ति नहीं हो सकी। सीधे नलकूप से पानी की आपूर्ति करते हैं तो सभी घरों तक पानी नहीं पहुंचता। नलकूप के आसपास के घरों में अधिकतम 10 मिनट पानी सप्लाई का औसत है। बिजली का कनेक्शन न होने से नलकूप को सोलर पैनल से चलाया जाता है। ओवरहेड टैंक के आसपास उपले नजर आते हैं। गांव निवासी मुकेश कुमार एडवोकेट ने बताया कि उनके घर आज तक पानी नहीं आया। हेमेंद्र सिंह एडवोकेट ने खोदाई के बाद रास्ते की मरम्मत न होने का दर्द बयां किया। घरों में पानी न आने की समस्या भी बताई। ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि घर में कनेक्शन लेने के बाद भी पानी नहीं आता। ग्राम प्रधान महेश सिंह का कहना है कि नलकूप से सीधे पानी देने के नाम पर खानापूरी की जा रही है, जिसका पूरे गांव को लाभ नहीं मिलता। अधिकारियों से शिकायत का भी कोई असर नहीं हुआ। पाइप लाइन के लिए खोदी सड़क भी ठीक नहीं की गई है। जल निगम के सुपरवाइजर मनोज यादव ने कहा कि बैजनाथपुर में जल जीवन मिशन का काम पूरा हो चुका है। अभी नलकूप से सीधे पानी दे रहे हैं। शीघ्र टैंक से सप्लाई शुरू कराई जाएगी।

CM डैश बोर्ड रैंकिंग जारी: मुरादाबाद-संभल में शिकायतों का निस्तारण सबसे कम, अमरोहा व बिजनौर के हाल भी खराब

मुरादाबाद मंडल के जिलों की जनसुनवाई में स्थिति बेहद कमजोर रही है। आईजीआरएस पोर्टल की रैंकिंग में बिजनौर 60वें स्थान पर सबसे पीछे रहा। मुरादाबाद 27वें, संभल 24वें और अमरोहा 18वें स्थान पर रहे।विकास कार्यों में ही नहीं मुरादाबाद मंडल के जिले आईजीआरएस पोर्टल पर आने वाली शिकायतों के निस्तारण में भी पिछड़ गए हैं। जनसुनवाई में बिजनौर की हालत सबसे खराब मिली है। सीएम डैश बोर्ड पर जारी जनसुनवाई की रैंकिंग में बिजनौर 60 वें स्थान पर है।मुरादाबाद 27 वें और संभल 24 और अमरोहा 18 वें स्थान पर है। हालांकि इस मामले में रामपुर एक नंबर पर है। विभागों में सुनवाई न होने या शिकायतों की अनदेखी करने पर शासन ने आम लोगों की सुविधा के लिए आईजीआरएस पोर्टल सेवा शुरू की है। इस पोर्टल पर शिकायतें दर्ज कराई जाती हैंपोर्टल पर आईं शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजकर इसका निस्तारण भी कराया जाता है। निस्तारण भी पोर्टल पर दर्ज किया जाता है। इसकी मॉनीटरिंग प्रशासन के स्तर पर होती है। सीएम डैश बोर्ड पर विकास कार्यों और राजस्व वसूली की तरह जनसुनवाई की भी रैंकिंग जारी की जाती है। विकास कार्यों में पिछड़े मंडल में रामपुर को छोड़कर बाकी जिलों की स्थिति जनसुनवाई में भी बहुत बेहतर नहीं है। बिजनौर की स्थिति सबसे खराब पाई गई है। प्रदेश के 75 जिलों में बिजनौर 60वें स्थान पर है। जबकि मंडल मुख्यालय मुरादाबाद 27 वें स्थान पर है। वहीं संभल 24 और अमरोहा 18 वें स्थान पर है। रामपुर को छोड़कर कोई जिला टॉपटेन में नहीं है। रामपुर जनसुनवाई की रैंकिंग सूची में एक नंबर पर है। ऑनलाइन और हेल्पलाइन नंबरों पर दर्ज होती हैं शिकायतें- आईजीआरएस पोर्टल पर ऑनलाइन और हेल्पलाइन नंबरों के जरिये शिकायतें दर्ज कराई जाती हैं। इन शिकायतों के निस्तारण के लिए चार श्रेणी बनाई गई हैं। इसमें एल वन, एल टू, एल थ्री और एल फोर शामिल हैं। शिकायत के हिसाब से श्रेणी की वरीयता तय की जाती है। नगर निगम और बिजली विभाग की शिकायतें अधिक आईजीआरएस पोर्टल पर जिले के करीब-करीब हर विभाग से जुड़ीं शिकायतें पहुंचती हैं। जिनका निस्तारण कर विभागीय अधिकारी पोर्टल पर दर्ज कराते हैं। मुरादाबाद में सबसे अधिक शिकायतें नगर निगम और बिजली विभाग की होती हैं।

संक्षिप्त समाचार

मौसम...तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी के संकेत

मौसम तेजी से बदल रहा है। बीते कुछ दिनों से तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा था। इसके बीच तेज हवा ने असर दिखाया। अब मौसम धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। हवा का प्रभाव कमजोर पड़ने के साथ ही तापमान बढ़ रहा है। सोमवार को सुबह से ही आसमान साफ रहा और दिन चढ़ने के साथ तेज धूप ने लोगों को परेशान किया। दोपहर के समय चटख धूप के कारण सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया। बाजारों में भी दोपहर के समय अपेक्षाकृत कम भीड़ नजर आई, जबकि जरूरी काम से बाहर निकले लोग धूप से बचने के लिए छांव तलाशते दिखे। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे गर्मी और अधिक बढ़ेगी। तेज धूप और बढ़ती गर्मी के बीच लोगों ने राहत पाने के लिए ठंडे पेय पदार्थों और मौसमी फलों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। शहर के विभिन्न बाजारों में खरबूज और तरबूज की बिक्री बढ़ी। राहगीर भी छांव में कुछ देर रुककर राहत लेते दिखे। मौसम विभाग के अनुसार अप्रैल के अंत तक गर्मी अपने तेवर में दिखेगी। ऐसे में अस्पतालों में इलाज के लिए पहुंच रहे मरीजों के साथ ही तीमारदारों को भी डॉक्टर स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने और धूप में बाहर निकलते समय जरूरी सावधानियां बरतने की सलाह दे रहे हैं।

काली माता मंदिर भूमि पैमाइश की रिपोर्ट आने में होगी देरी

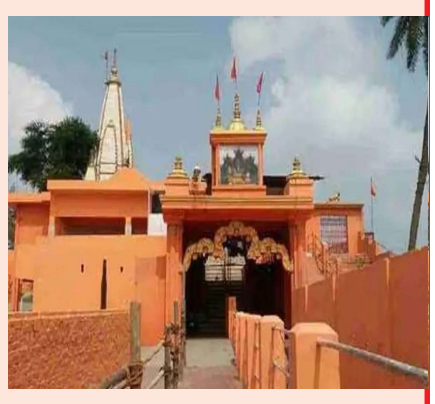

लालबाग स्थित प्राचीन काली माता मंदिर की जमीन की पैमाइश के बाद तैयार होने वाली रिपोर्ट में देरी हो गई है। पहले यह रिपोर्ट सोमवार तक आने की संभावना जताई गई थी, लेकिन अब राजस्व विभाग ने इसके बुधवार तक जारी होने की उम्मीद जताई है।राजस्व विभाग की टीम ने शनिवार को राजस्व निरीक्षक ब्रह्मपाल सिंह के नेतृत्व में काली मंदिर परिसर और उससे संबंधित भूमि की पैमाइश की थी। इस दौरान अभिलेखों में दर्ज जमीन और मौके की स्थिति का मिलान किया गया था। विभाग की ओर से बताया गया था कि पूरी प्रक्रिया की रिपोर्ट तैयार कर सोमवार तक प्रस्तुत कर दी जाएगी। राजस्व निरीक्षक ब्रह्मपाल सिंह ने बताया कि रिपोर्ट अभी पूरी तरह तैयार नहीं हो सकी है। मापन से जुड़े आंकड़ों और अभिलेखों का मिलान किया जा रहा है, जिसके चलते थोड़ा समय लग रहा है। अब रिपोर्ट के बुधवार तक जारी होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट तैयार होने के बाद मंदिर की भूमि की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी, जिससे भविष्य में किसी भी प्रकार के विवाद या भ्रम की स्थिति से बचा जा सकेगा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

कलेक्ट्रेट सभागार में धूमधाम से मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली – कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को अंबेडकर जयंती बड़े ही श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने की। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय के क्षेत्र में डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान पर विशेष व्याख्यान दिए गए। वक्ताओं ने उनके संघर्षपूर्ण जीवन और समाज के प्रति उनके समर्पण को विस्तार से प्रस्तुत किया। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में एक दलित परिवार में हुआ था। उन्होंने बचपन से ही जातिगत भेदभाव और सामाजिक अपमान का सामना किया, लेकिन अपने आत्मबल, कठिन परिश्रम और शिक्षा के माध्यम से उन्होंने समाज में एक नई पहचान बनाई। उन्होंने आगे बताया कि अंबेडकर ने बॉम्बे विश्वविद्यालय से स्नातक की शिक्षा प्राप्त की और उच्च शिक्षा के लिए विदेश भी गए। जिलाधिकारी ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारतीय संविधान का मुख्य शिल्पकार माना जाता है। उनके द्वारा निर्मित संविधान में प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, स्वतंत्रता और न्याय सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 1947 में देश की आजादी के बाद वे भारत के पहले कानून मंत्री बने। समाज सुधारक और अधिकारों के रक्षक डॉ. अंबेडकर न केवल संविधान निर्माता थे, बल्कि एक महान समाज सुधारक, विधिवेत्ता, शिक्षाविद और अर्थशास्त्री भी थे। उन्होंने दलितों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए अनेक महत्वपूर्ण कानून बनाए और सामाजिक समानता की नींव मजबूत की। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन पूर्णिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी (वि/रा) संतोष कुमार, अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

घरेलू गैस पर चल रहा धंधा ! अब पड़ेगा भारी, बरेली में सख्त चेतावनी

रेस्टोरेंट से मैरिज हॉल तक पड़ेगा छापा , कमर्शियल यूज करने पर एक्शन तय

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। घरेलू गैस सिलेंडर के अवैध इस्तेमाल को लेकर अब प्रशासन ने कमर कस ली है। जिले में रेस्टोरेंट, ढाबा, होटल बारात घर , मैरिज हॉल एवं मिठाई की दुकानों पर यूज करने वालों के खिलाफ जिलापूर्ति अधिकारी मनीष सिंह ने ऐसे सभी व्यापारिक प्रतिष्ठानों को कड़ी चेतावनी जारी की है। विभाग को मिली जानकारी के अनुसार कई जगहों पर बिना वैध कनेक्शन के एलपीजी गैस सिलेंडर का भंडारण और उपयोग किया जा रहा है, जो पूरी तरह नियमों के खिलाफ है। अधिकारियों ने साफ कहा है कि यह कृत्य आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत दंडनीय अपराध है। निरीक्षण के दौरान यदि किसी प्रतिष्ठान में घरेलू गैस सिलेंडर या बिना अनुमति के कमर्शियल सिलेंडर का उपयोग में पाया जाता है, तो न सिर्फ प्रतिष्ठान मालिक बल्कि कार्यक्रम आयोजित कराने वाले व्यक्ति पर भी मुकदमा दर्ज किया जाएगा। जिलापूर्ति विभाग ने आम जनता और व्यापारियों से अपील की है कि वे अपने प्रतिष्ठानों और आयोजनों में केवल वैध कमर्शियल गैस सिलेंडर का ही उपयोग करें, अन्यथा कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

राजकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास में , हर्षोल्लास के साथ मनाई गई डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। राजकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास, मूकबधिर परिसर में मंगलवार को प्रातः 11~00 बजे बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती हर्षोल्लास व गरिमामय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती कमला देवी कश्यप, पार्षद नगर निगम (भाजपा) को आमंत्रित किया गया। उनके साथ राकेश कश्यप, अध्यक्ष कश्यप समाज (भाजपा) की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर छात्रावास परिसर में डॉ. अम्बेडकर जी की प्रतिमा/चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं एवं उपस्थित जनों द्वारा डॉ. अम्बेडकर के जीवन परिचय, उनके समानता एवं सामाजिक न्याय के सिद्धांतों तथा भारतीय संविधान के निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर विस्तृत चर्चा एवं विचार-विमर्श किया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के जीवन, शिक्षा एवं संविधान निर्माण में उनके योगदान विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के परिणाम में प्रथम पुरस्कार~ पूनम देवी द्वितीय पुरस्कार~ राखी तृतीय पुरस्कार~ प्रज्ञा सिंहचतुर्थ पुरस्कार~ राधा कार्यक्रम का समापन सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कि

बरेली में 'मां पूर्णागिरी इंटरप्राइजेज' का शुभारंभ, युवाओं को मिलेगा रोजगार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री के सपनों को साकार करने की दिशा में बरेली के दो युवा इंजीनियर–प्रफुल्ल गंगवार और अनिल पटेल–ने एक सराहनीय पहल की है। दोनों ही पढ़ाई–लिखाई में मेधावी होने के बावजूद नौकरी के पीछे भागने के बजाय आत्मनिर्भर बनने का रास्ता चुना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरित होकर उन्होंने पीओपी, फॉल्स सीलिंग एवं इंटीरियर वर्क की मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की स्थापना की है। इस पहल से न केवल वे स्वयं रोजगार प्राप्त करेंगे, बल्कि क्षेत्र के अन्य लोगों को भी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे। मंगलवार को 'मां पूर्णागिरी इंटरप्राइजेज' का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सांसद छत्रपाल गंगवार, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, स्नेह लता, भुवनेश गंगवार, Bareilly College के चीफ प्रॉक्टर डॉ. इंदीवर सिंह चौहान, कर्नल पुरुषोत्तम सिंह, डॉ. राजेंद्र कुमार गंगवार, आभा गंगवार और पारस गंगवार ने संयुक्त रूप से मां पूर्णागिरी के चरणों में नमन कर फीता काटकर उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर प्रदीप कुमार गुप्ता, रेहान खान, आशीष कुमार सिंह, कुसुम गंगवार, रघुवीर सरन, हेमपाल गंगवार, प्रेम सुख, प्रमोद कुमार यादववंशी, डॉ. सुंदर सिंह, डॉ. दयाराम गंगवार, राजेश आर्या, डॉ. सर्वेश कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विद्यालय वाहनों की सुरक्षा व नियमों के अनुपालन हेतु अधिकारियों ने प्रधानाचार्यों को दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । मंगलवार को पीएम राजकीय इंटर कॉलेज के ऑडिटोरियम में जिलाधिकारी अविनाश सिंह के निर्देशन में उत्तर प्रदेश मोटरयान नियमावली 1998 के संबंध में समस्त शिक्षा बोर्डों से संचालित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के विभिन्न वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें अपर जिलाधिकारी (नगर), पुलिस अधीक्षक यातायात अकमल खां, संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन एवं प्रवर्तन), जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी तथा सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन एवं प्रशासन) शामिल रहे। बैठक के दौरान उपस्थित प्रधानाचार्यों को विद्यालयी वाहनों की सुरक्षा, निगरानी एवं विधिक अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में क्क Integrated School Vehicle Management Portal (UP-ISVMP) को लागू किया गया है, जिस पर सभी विद्यालयों को अपने वाहनों का पंजीकरण अनिवार्य रूप से करना होगा। प्रमुख निर्देश इस प्रकार हैं– प्रत्येक विद्यालय को UPISVMP ÂôÅUüÜ (https://upisvmp.com) पर स्वयं को ऑनबोर्ड करना अनिवार्य होगा। विद्यालय में संचालित सभी वाहनों (बस, वैन आदि) का पूर्ण एवं सही विवरण पोर्टल पर दर्ज किया जाए॥ समिति का गठन किया जाए, जिसकी बैठक वर्ष में चार बार–जुलाई, अक्टूबर, जनवरी एवं अप्रैल में आयोजित की जाए। 18 वर्ष से कम आयु के विद्यार्थियों द्वारा बाइक/स्कूटी के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए तथा बिना ड्राइविंग लाइसेंस कोई भी विद्यार्थी वाहन न चलाए। इसके लिए विद्यालय स्तर पर नियमित निरीक्षण किया जाए। बैठक का उद्देश्य विद्यालयों में संचालित वाहनों की सुरक्षा को सुदृढ़ करना तथा विद्यार्थियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना रहा। अधिकारियों ने सभी प्रधानाचार्यों को निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा।

कटना नदी पुनरुद्धार का शुभारंभ, बंगाली समुदाय को जल्द मिलेगा भौमिक अधिकार

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत। जनपद के विकास खंड मरौरी में जल संरक्षण और पर्यावरण सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए कटना नदी के पुनरुद्धार कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। ग्राम पंचायत कंजा हरैया व अजीतपुर पटपरा में पूजा–अर्चना के साथ परियोजना की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख सभ्यता वर्मा, जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास, उप जिलाधिकारी श्रद्धा सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अतिथियों ने नदी के पुनर्जीवन को क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। ब्लॉक प्रमुख सभ्यता वर्मा ने कहा कि नदी का पुनरुद्धार जलस्तर बढ़ाने के साथ किसानों और वन्यजीवों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने ग्रामीणों से इस अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने इसे क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताते हुए कहा कि प्राकृतिक धरोहर को संजोने के लिए यह पहल मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने जानकारी दी कि कटना नदी को पुनर्जीवित कर उसकी पुरानी स्थिति में लाने का लक्ष्य रखा गया है। जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि क्षेत्र के बंगाली समुदाय को जल्द ही उनकी जमीनों पर भौमिक अधिकार मिलने जा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा इस संबंध में आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और तहसील स्तर पर शीघ्र पट्टा वितरण किया जाएगा। क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे इस अभियान में बढ़–चढ़कर भाग लें और नदी पुनरुद्धार कार्य को सफल बनाएं।

गोबरधन योजना से बदल रही गाँवों की तस्वीर, स्वच्छता के साथ बढ़ी आमदनी

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में गोबरधन योजना तेजी से बदलाव की नई कहानी लिख रही है। इस योजना के तहत गाँवों में स्वच्छता, हरित ऊर्जा और आय सृजन का मजबूत मॉडल विकसित हो रहा है, जिससे ग्राम पंचायतें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। पंचायती राज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, फरवरी 2026 तक प्रदेश की ग्राम पंचायतों ने जैविक खाद और बायोगैस उत्पादों की बिक्री से 28 लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित की है। इससे पंचायतों की स्वयं की आय में वृद्धि हुई है और वे विकास कार्यों के लिए सरकारी अनुदान पर निर्भरता कम कर रही हैं। आंकड़ों के अनुसार, ललितपुर जिला 3,37,990 रुपये की आय के साथ पहले स्थान पर है, जबकि श्रावस्ती (2,87,036 रुपये) और रामपुर (1,23,400 रुपये) दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। ,प्रदेश के 74 जनपदों में अब तक 116 बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें से कई संयंत्र गौशालाओं में लगाए गए हैं, जहां गोबर और जैविक कचरे से बायोगैस तैयार की जा रही है। इस गैस का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में आटा चक्की, तेल पिराई मशीनों सहित अन्य छोटे उद्योगों में किया जा रहा है, जिससे रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। गोबरधन योजना का प्रभाव कृषि क्षेत्र में भी दिखाई दे रहा है। संयंत्रों से निकलने वाली स्लरी से तैयार जैविक खाद के उपयोग से किसानों की लागत कम हो रही है और मिट्टी की उर्वरता में सुधार हो रहा है। इससे किसान धीरे–धीरे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम कर रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यह योजना न केवल स्वच्छता को बढ़ावा दे रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। खुले में गोबर फेंकने से होने वाली गंदगी और बीमारियों पर भी नियंत्रण हो रहा है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

नोटिस पर नोटिस जारी, फिर भी बयान दर्ज कराने नहीं पहुंचे अलंकार अग्निहोत्री

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। सिटी मजिस्ट्रेट पद से इस्तीफा देने के बाद राज्य और केंद्र सरकार के खिलाफ बयानबाजी तथा प्रदर्शन करने के आरोप में निलंबित पीसीएस अधिकारी अलंकार अग्निहोत्री के मामले में जांच जारी है। कई बार नोटिस जारी किए जाने के बावजूद वह अब तक अपना बयान दर्ज कराने नहीं पहुंचे हैं। शासन के निर्देश पर कमिश्नर भूपेंद्र एस. चौधरी इस पूरे प्रकरण की जांच कर रहे हैं। कमिश्नर कार्यालय की ओर से अलंकार अग्निहोत्री को बयान दर्ज कराने के लिए कई नोटिस भेजे गए, लेकिन उन्होंने अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है और न ही जांच में शामिल होने के लिए उपस्थित हुए हैं। कमिश्नर भूपेंद्र एस. चौधरी का कहना है कि यदि अलंकार अग्निहोत्री निर्धारित समय में बयान दर्ज कराने नहीं आते हैं, तो उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही जांच पूरी कर रिपोर्ट शासन को भेज दी जाएगी। गौरतलब है कि मार्च माह में शासन द्वारा जारी आरोपपत्र का एक हिस्सा अलंकार अग्निहोत्री ने अपनी फेसबुक वॉल पर साझा किया था। उन्होंने इसमें कहा था कि जब वह पहले ही अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं, तो उनके निलंबन का प्रश्न ही नहीं उठता। आरोपपत्र में उल्लेख है कि अपने त्यागपत्र में अलंकार अग्निहोत्री ने ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, कायस्थ, भूमिहार आदि जातियों के पक्ष में बयानबाजी की थी। नगर मजिस्ट्रेट जैसे महत्वपूर्ण पद पर रहते हुए सभी वर्गों के प्रति समान दृष्टिकोण न अपनाते हुए कथित रूप से जातिगत भावना से प्रेरित और द्वेषपूर्ण टिप्पणी की गई, जिससे आम जनमानस में शासन की छवि प्रभावित हुई। फिलहाल, जांच एजेंसी उनके बयान का इंतजार कर रही है, जबकि लगातार अनुपस्थिति के चलते प्रशासन सख्त रुख अपनाने के संकेत दे रहा है।

500 करोड़ हड़पने के आरोपी शशिकांत और सूर्यकांत की गिरफ्तारी का रास्ता साफ

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बदायूं, बरेली, पीलीभीत समेत कई जिलों के निवेशकों से 500 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम हड़पने के आरोपी अमर ज्योति कंपनी के निदेशक शशिकांत मौर्य और उसके भाई सूर्यकांत मौर्य की गिरफ्तारी पर दिए गए स्थगन आदेश को हाईकोर्ट ने 10 अप्रैल को निरस्त कर दिया है। इससे आरोपियों की गिरफ्तारी का रास्ता साफ हो गया है। निवेशकों की ओर से बरेली के कटरा चांद खां में स्थित आरोपियों के घर का घेराव और एसएसपी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन के बाद बरेली और बदायूं में दोनों के खिलाफ 10 से ज्यादा रिपोर्ट दर्ज की गई थी। दोनों पर 50–50 हजार रुपये का इनाम भी घोषित कर गिरफ्तारी के लिए एसआईटी बना दी गई थी। सूर्यकांत भाजपा का महानगर अध्यक्ष था। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद भाजपा ने उसे निष्कासित कर दिया था। आरोपियों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए हाईकोर्ट की शरण ली थी। कोर्ट ने निवेशकों की रकम वापस करने की शर्त पर गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। इसके बाद भी आरोपियों ने निवेशकों के रुपये नहीं लौटाए। बदायूं कोतवाली में दर्ज एक मामले में गिरफ्तारी को लेकर पीड़ितों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने स्थगन आदेश को निरस्त करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी का आदेश दिया है। बरेली में दर्ज हैं कई केस– मामले की गंभीरता को देखते हुए बदायूं में चार समेत बरेली में भी कई केस दर्ज किए जा चुके हैं। निवेशकों ने आरोप लगाया कि कंपनी के जरिये करोड़ों रुपये की ठगी की गई है। इस प्रकरण को लेकर दोनों जिलों में विरोध–प्रदर्शन भी हुए और मामला सुर्खियों में बना रहा।

मजबूत हड्डियां और स्वस्थ जोड़: एक्टिव और आत्मनिर्भर जीवन का स्मार्ट तरीका

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली~ मजबूत हड्डियां और स्वस्थ जोड़ एक एक्टिव और दर्द-रहित जीवन की नींव हैं। लेकिन बढ़ती उम्र, खराब लाइफस्टाइल, पोषण की कमी और ऑस्टियोपोरोसिस व आर्थराइटिस जैसी बीमारियों के कारण इनकी सेहत प्रभावित होने लगती है। इसलिए मस्कुलोस्केलेटल हेल्थ पर समय रहते ध्यान देना बेहद जरूरी है। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नोएडा के ऑर्थोपेडिक्स, जॉइंट रिप्लेसमेंट एंड आर्थ्रोस्कोपी सर्जरी विभाग के प्रिंसिपल डायरेक्टर डॉ. बी. एस. मूर्ति के अनुसार, आज आर्थ्रोस्कोपी जैसी मिनिमली इनवेसिव तकनीक जोड़ों की समस्या का सटीक इलाज करती है, जिससे रिकवरी तेज होती है और निशान भी कम रहते हैं। वहीं, गंभीर मामलों में टोटल नी या हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी अब ज्यादा सुरक्षित और प्रभावी हो चुकी है। वे बताते हैं कि पीआरपी इंजेक्शन और स्टेम सेल थेरेपी जैसी आधुनिक तकनीकें कार्टिलेज की मरम्मत में मदद कर रही हैं। साथ ही, नियमित क्क्ष्ठ टेस्ट, कैल्शियम और विटामिन ष्ठ का सेवन, संतुलित वजन और व्यायाम हड्डियों को मजबूत बनाते हैं। सही लाइफस्टाइल और समय पर इलाज से उम्र बढ़ने के बावजूद हड्डियों और जोड़ों को स्वस्थ रखकर एक सक्रिय और आत्मनिर्भर जीवन जिया जा सकता है

फर्रुखाबाद में इंसानियत शर्मसार: नाले के किनारे मिला नवजात का शव, महिलाओं में भारी आक्रोश

क्यूँ न लिखूँ सच/श्याम जी / फर्रुखाबाद के कादरीगेट थाना क्षेत्र में एक नवजात शिशु का शव नाले के किनारे मिला है। मसेनी-कादरीगेट मार्ग पर आवास विकास तिराहा के सामने यह शव पॉलीथिन और कपड़े में लिपटा हुआ पाया गया।सुबह स्थानीय लोगों ने शव देखा, जिसके बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। इस घटना पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी पहुंचकर आक्रोश व्यक्त किया। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और नवजात के शव को कब्जे में लेने की कार्रवाई शुरू की।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। एसीएमओ रंजन गौतम ने बताया कि उन्हें नवजात के शव मिलने की सूचना मिली थी, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे। उन्होंने जानकारी दी कि सुबह एक व्यक्ति यहां एक डिब्बा रखकर गया था।

बाद में कूड़ा बीनने वाले ने डिब्बे को हिलाकर देखा तो उसमें नवजात का शव मिला।एसीएमओ गौतम ने इस तरह से शव को फेंके जाने को %घोर आपत्तिजनक% बताया। उन्होंने कहा कि आसपास के सभी अस्पतालों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। फुटेज मिलने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों के अनुसार, मसेनी क्षेत्र में पहले भी कई बार नवजात के शव मिलने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इन घटनाओं से क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था और अवैध गतिविधियों पर सवाल उठ रहे हैं।

अंबेडकर जयंती पर जिला स्तरीय समारोह आयोजित, हितग्राहियों को वितरित किए गए हितलाभ

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर मानस भवन शिवपुरी में जिला स्तरीय हितग्राही सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने वर्चुअल रूप से शामिल होकर संबोधित किया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि बाबा साहेब ने अपना संपूर्ण जीवन समानता, भाईचारे और मानवता के लिए समर्पित किया। उनके विचार आज भी समाज की आर्थिक और सामाजिक समस्याओं के समाधान में मार्गदर्शक हैं। कार्यक्रम में करैरा विधायक रमेश खटीक ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने देश को संविधान देकर सभी नागरिकों को मौलिक अधिकार और कर्तव्य प्रदान किए। उन्होंने शिक्षा और सामाजिक सुधार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने कहा कि डॉ. अंबेडकर एक महान समाज सुधारक थे, जिन्होंने शिक्षा के माध्यम से समाज की कुरीतियों को समाप्त करने का संदेश दिया।

उन्होंने सभी से बच्चों को शिक्षित करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत हितग्राहियों को आर्थिक सहायता वितरित की गई। भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत सपना आदिवासी, गोलू आदिवासी एवं ज्योति जाटव को 2-2 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई, जबकि साड़ी विक्रेता के लिए कु. पलक आदिवासी को एक लाख रुपये दिए गए। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के तहत शंकर लाल जाटव और सूरज जाटव को फ्लोर मिल हेतु आर्थिक सहायता दी गई। साथ ही छात्र-छात्राओं को साइकिल एवं किताबें भी वितरित की गईं। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा, जनपद पंचायत अध्यक्ष हेमलता रावत, जिला पंचायत सीईओ विजय राज सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

ऑपरेशन मुस्कान के तहत पोहरी पुलिस को सफलता, अपहृत नाबालिग बालिका सुरक्षित बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच/ शिवपुरी।थाना पोहरी पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत सराहनीय कार्रवाई करते हुए अपहृत नाबालिग बालिका को सुरक्षित दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया है। जानकारी के अनुसार, थाना पोहरी में दिनांक 7 जनवरी 2026 को ग्राम मचाखुर्द निवासी एक 48 वर्षीय महिला ने अपनी नाबालिग पुत्री के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 9/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर बालिका की तलाश शुरू की।पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार चलाए जा रहे 卐ऑपरेशन मुस्कान卐 के तहत पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले तथा एसडीओपी पोहरी आनंद राय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक रवि चौहान के नेतृत्व में टीम द्वारा लगातार प्रयास किए गए। लगातार खोजबीन और मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस ने 14 अप्रैल 2026 को ग्राम अहेरा की आदिवासी बस्ती से नाबालिग बालिका को सुरक्षित बरामद कर लिया। इसके बाद बालिका को विधिवत परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। इस कार्रवाई में निरीक्षक रवि चौहान, उपनिरीक्षक दिनेश कोठारी, सहायक उपनिरीक्षक ओमनरेश जाटव सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनके प्रयासों की सराहना की जा रही है।

नटेरन में बाबा साहब अंबेडकर की जयंती पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ कलाकारों ने दिखाए हैरतअंगेज करतब के साथ पूरे नगर में वावा साहब की शोभायात्रा निकाली गई। नटेरन। ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम के अंतर्गत नटेरन में भारत रत्न भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा, उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत कन्या छात्रावास परिसर में बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन करने के साथ हुई। इस अवसर पर कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल सिंह रघुवंशी अनुविभागीय अधिकारी अजय प्रताप सिंह पटेल ने बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। और माल्यार्पण कर बाबा साहब के आदर्शों को अपनाने और समाज में समानता एवं न्याय स्थापित करने का संदेश दिया। ब्लॉक स्तर के विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक कार्यक्रम में शामिल हुए। उपस्थित प्रमुख लोगों में तहसीलदार आनंद जैन, डी.एल. नेगी, पियुष जैन,जनपद उपाध्यक्ष नीलेश धाकड़ थाना प्रभारी एम.एस. मंडलोई, बीआरसी ईश्वर शर्मा और एडीओ सी.एल. अहिरवार अंकित गुप्ता शामिल रहे। इस अवसर पर छात्रावास अधीक्षक संतोष अहिरवार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें बाबा साहब का चित्र भेंट किया। कार्यक्रम के दौरान एक भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई, जिसमें स्थानीय कलाकारों द्वारा आकर्षक और हैरतअंगेज करतब प्रस्तुत किए गए, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का समापन बाबा साहब के विचारों को जीवन में अपनाने और उनके सिद्धांतों पर चलने के सामूहिक संकल्प के साथ किया गया।

अमरिया में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहेब की 135वीं जयंती

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत। अमरिया। कस्बे के मोहल्ला अंबेडकर नगर के सौजन्य से अमरिया रामलीला मैदान में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर उन्हें नमन किया। इसके उपरांत एक भव्य बाइक रैली निकाली गई, जो रामलीला मैदान से प्रारंभ होकर कस्बे के मुख्य मार्गों से होती हुई नहर पुल तक पहुंची। रैली के दौरान जय भीम और बाबा साहेब अमर रहें के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। कार्यक्रम में धर्मेंद्र कुमार, जितेंद्र कुमार, रजत सागर, मुकेश बाबू, रामचंद्र, अमर सागर, रामगोपाल, मोहम्मद यामीन सहित सैकड़ों लोगों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर धर्मेंद्र कुमार ने बाबा साहेब के जीवन, उनके संघर्ष एवं सामाजिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। आयोजन के दौरान राहगीरों को चना एवं हलवा वितरित किया गया। रैली का समापन पुन: मोहल्ला अंबेडकर नगर में हुआ। इस मौके पर आकाश, राहुल, गौरव, विपिन, शुभम, रवि, हरी, राजू, कुंदन, बाबूराम, अनोखे, गोकुल प्रसाद, रामचंद्र, रामचरण सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

भारतरत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की जन्म जयंती मनाई गई

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ पठारी द्य मथुरापुर पंचयात भवन में भारतरत्न से सम्मानित , समाजसेवी, पत्रकार, भारतीय संबिधान के निर्माता, शिक्षा के प्रेरणा स्त्रोत,प्रत्येक क्षेत्र के ज्ञाता विश्व प्रसिद्ध डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया द्य पूजा अर्चना कर पुष्प माला पहनाकर, पुष्पवर्षा कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया द्य सरपंच यादवेश सिंह यादव ने उनके जीवन परिचय पर विस्तार पूर्वक प्रेणादायक बातें रखी द्य इसके बाद ग्राम सभा का भी आयोजन हुआ जिसमे ग्रामीण विकास को लेकर आवश्यक कार्यो के प्रस्ताव भी पारित हुये द्य इसके बाद सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश कुमार अहिरवार के निज निवास पर ग्रामीण जन एवं राहगीरों को ठंडा जल पिलाने के उद्देश्य से प्याऊ एवं गौ जल पात्र का शुभारंभ किया द्य इस कार्यक्रम में उपस्थित सरपंच यादवेश सिंह यादव , सचिव मूरत सिंह विश्वकर्मा , रोजगार साहयक पीतम सिंह अहिरवार , साहब सिंह ठाकुर, समस्त आंगनवाड़ी स्टाफ,सेल्समेन भाईसाहब यादव, जीवन सिंह, विनोद, गोविन्द, राजकुमार, ब्रजेन्द्र, कृष्णा, इत्यादि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे द्य

राष्ट्रीय लोकदल महासचिव अनवार मालिक ने बाबा साहेब का जन्म दिन बड़ी उत्साह के साथ मनाया

क्यूँ न लिखूँ सच/ सिकंदर राजा / मुरादाबाद अनवार मलिक महासचिव राष्ट्रीय लोकदल (अल्पसंख्यक मोर्चा) उत्तर प्रदेश ने बयान दिया कि मैं बाबा साहेब, भारत रत्न, वौधिसत्व, संविधान के रचयिता, डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के जन्म दिवस पर सभी भारतवासियों को मुबारकबाद/ शुभकामनाएं पेश करता हूं

मुरादाबाद में बाबा साहेब के जन्म दिवस पर बहुत बड़ा कार्यक्रम होता है और बाबा साहेब के द्वारा सभी के हित में जो कार्य किया उनको याद किया जाता है लोग उनके द्वारा हर समाज के लोगो के हित में किए गये कार्य की सराहना करते हैं। उनके द्वारा रचित संविधान में हर व्यक्ति को समानता, सुरक्षा, स्वतंत्रता का अधिकार मिला है मुरादाबाद में बाबा साहेब की भव्य शोभा यात्रा का राष्ट्रीय लोकदल (अल्पसंख्यक मोर्चा) उत्तर प्रदेश के द्वारा फूलों की वर्षा से स्वागत किया गया । महानगर अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह (नगर निगम पार्षद), शमीम खान, मौ0 सलमान बरवालान, राजा अंसारी, इल्याज,1 मनिहाल, केसव, असद अली, राशिद ड्राईवर, मौ0 मुनीर, फरीद, सईद अब्बासी, इलियाज मलिक, अनीस मलिक, फुरकान मलिक, इसरार मलिक, अनवर अंसारी, इमरान साबरी, मौ0लईक

थाना मटेरा में क्षेत्रीय अधिकारी का औपचारिक निरीक्षण, चौकीदारों को साइकिल वितरण

क्यूँ न लिखूँ सच/ अमरीक सिंह/ बहराइच। जनपद बहराइच के थाना मटेरा में क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा औपचारिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने थाने की व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय अधिकारी ने मालखाने का निरीक्षण किया, साथ ही कारतूस और बंदूकों की स्थिति की भी जांच की। उन्होंने थाने परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देते हुए इसे और बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा तीन चौकीदारों को एक-एक साइकिल वितरित की गई। साइकिल प्राप्त करते ही चौकीदारों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। निरीक्षण के उपरांत क्षेत्रीय अधिकारी की थाना प्रभारी, दरोगा एवं कांस्टेबलों के साथ करीब तीन घंटे तक बैठक चली। बैठक में कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चर्चा की गई और पुलिस टीम को कड़े निर्देश दिए गए कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। क्षेत्रीय अधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि सभी पुलिसकर्मी अपने कर्तव्यों का पूर्ण निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें। अंत में क्षेत्रीय अधिकारी ने पत्रकारों से भी विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

एस.ए.टी.आई.पॉलिटेक्निक कर्मचारी बजरंगबली की शरण में

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ आज वेतन न मिलने के कारण [illegible] का धरना लगातार नौवे दिन भी जारी रहा, आज कर्मचारियों से मिलने कांग्रेस कमेटी के सदस्य धरना स्थल पर पहुंचे और हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया। आज धरना स्थल पर सभी कर्मचारियों ने सुंदरकांड पाठ का आयोजन रखा और श्री राम भक्त हनुमान से गुहार लगाई कि वे प्रबंधन एवं शासन को सद्बुद्धि दें कि 120 कर्मचारी एवं लगभग 850 विद्यार्थियों का भविष्य एवं जीवन अंधकार में होने से बचाए एवं उनकी जायज मांगों पर शीघ्र निर्णय लेकर उनकी समस्या का निराकरण करें। आज ही कर्मचारियों ने सर्व समिति से निर्णय लिया है कि अब इस हड़ताल में आगामी सोमवार से संस्था के बाहर जनता का समर्थन एवं सभी अन्य संगठनों के समर्थन से चरणबद्ध विरोध प्रदर्शन किया जाएगा इसकी सूचना प्रशासन एक-दो दिन में दे दी जाएगी।

गौ सेवकों की तत्परता और प्रशासन के सहयोग से बचाई गई घायल नंदी महाराज की जान

क्यूँ न लिखूँ सच/ शेर सिंह / बिथरी चैनपुर क्षेत्र के अंतर्गत गुथना मंदिर के पास हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हुए नंदी महाराज को आखिरकार गौ सेवकों की तत्परता से सुरक्षित गौशाला पहुंचा दिया गया।

घटना की सूचना मिलते ही गौ सेवक अंशू प्रजापति ने अंतर्राष्ट्रीय हिंदू सेना के जिलाध्यक्ष अजय पटेल को अवगत कराया। सूचना पाकर अजय पटेल ने तुरंत एक्स (पूर्व में ट्विटर) व फोन के माध्यम से संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर घायल नंदी महाराज के उपचार और सुरक्षित स्थान पर भेजने की मांग उठाई।

गौ सेवकों के प्रयासों और प्रशासनिक सहयोग से घायल नंदी महाराज को समय रहते गौशाला भिजवाया गया,जहां उनका उपचार कराया जा रहा है इस पूरे मामले में मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) ने भी संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, जिसके बाद त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हुई।

भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ लटेरी अध्यक्ष जगदीश बाबू योगी की ताजपोशी पर मुबारकबाद

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ सहज सरल व्यक्ति के अध्यक्ष बनने पर जुटे अनेकों अलग अलग सीनियर पत्रकार लटेरी विदिशा दैनिक अखबार खबरों की रोशनी ब्यूरो रिपोर्ट नसीम खान हिंदुस्तानी जैसा कि पूर्व में समाचार पत्रों के आधार पर सभी को विदित है कि भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ की जिला स्तरीय बैठक में विदिशा शमशाबाद और लटेरी की तीनो इकाइयों के लिए कार्यकारिणी अध्यक्षों के नाम प्रदेश संगठन द्वारा घोषित किए गए थे जिनमें लटेरी इकाई अध्यक्ष श्री जगदीश बाबू योगी को बनाया गया था, तो वही आज मुरारिया एक्सप्रेस के संपादक वरिष्ठ पत्रकार श्री योगी की इकाई अध्यक्ष पद पर ताजपोशी की खुशी को लेकर लटेरी विश्रामगृह पर बधाई शुभकामना मुबारक बाद हेतु बड़ा कार्यक्रम रखा गया !

जिसमें लटेरी नगर के अनेकों वरिष्ठ पत्रकार साथियों ने इकाई के नवीन अध्यक्ष श्री योगी को बढ़-चढकर शुभकामनाएं दी उन्हें पुष्पमालाओं और साफा बांधकर श्री जगदीश बाबू योगी को सम्मानित किया, तो वहीं जिला उपाध्यक्ष श्री शफीक खान और जिला सह सचिव अलीम खान गोरी को भी सभी ने मुबारकबाद पेश की,,

आपको बता दें की इस कार्यक्रम में अनेकों पत्रकारों ने मात्र एक ही बात पर जोर दिया की संगठन ऐसा हो की पत्रकार सदा निष्पक्ष रूप से समाज की आवाज को उठाए !

सही नेक पत्रकार वो है जो सिस्टम और समाज में भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध शासन प्रशासन या अन्य जगहों पर अ संवैधानिक गतिविधियों को आम जनता और ईमानदार प्रशासन के सामने उजागर करता

है ! ताकि सभी मामले में पीड़ितों को न्याय मिल सके! पत्रकार शासन प्रशासन का सहयोगी है ये देश के आधार स्तंभों का चौथा स्तंभ है,,मीडिया हाउस हमेशा सराहनीय पत्रकारिता में आ रही अच्छे पत्रकार पर अड़चनों को लेकर हमेशा एकजुट रहे ! और पत्रकारों के साथ किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार को बर्दाश्त ना करें !

पत्रकार हमेशा अपने पत्रकार साथी के लिए सुख-दुख में खड़े हो ! संगठन का मकसद होता है आपसी भाईचारा सामंजस्य और सत्य का साथ देना !

सत्य के लिए यदि किसी भ्रष्ट नेता या अधिकारी से जूझना पड़े तो सभी एकजुट होकर उसकी सच्चाई को उठाएं अपने पत्रकारिता के कार्य में सदैव पारदर्शिता और आधिकारिक पुष्टि का विशेष ध्यान रखा जाए !बिना किसी अधिकृत अपुष्ट खबर पर ध्यान ना दें,, और सदैव साफ सुथरी पत्रकारिता करें ! इस संगठन के कार्यकर्ता अध्यक्ष की बधाई हेतु

जिला कार्यकारी अध्यक्ष योगेश पंथी के नेतृत्व में लटेरी नगर के अनेकों वरिष्ठ पत्रकार साथियों पत्रकार शैलेंद्र रघुवंशी ,प्रशांत कटियार पवन अहिरवार , संजय अग्रवाल, सतीश श्रीवास्तव के विशेष आतिथ्य में इकाई अध्यक्ष जगदीश बाबू योगी जिला उपाध्यक्ष शफीक खान, जिला सह सचिव अलीम खान ,नसीम खान हिंदुस्तानी , राजेश यादव मनीष शर्मा, मुनव्वर खान, शुभम सोनी, घनश्याम पंथी, लक्ष्मीकांत दुबे, नीरज सेन सलीम खान, लखन अहिरवार और अनेकों सीनियर पत्रकारों ने बढ़ाई दी

इनका कहना है ! साथियों इस नए संगठन में प्रदेश जिला ओर इकाई सभी स्तरों पर सेंकड़ों पदाधिकारी और सदस्यों के अभूतपूर्व सम्मान और स्नेह पर सभी का में आभारी हूं! और कहा की सभी साथी मेरा परिवार हैं ओर में अपने हर एक सदस्य और समाज के नेक पत्रकार साथियों के सुख दुख में सदैव कंधे से कंधा मिलाकर काम करूंगा ! में अकेला अध्यक्ष नही हूं आप सब अध्यक्ष हो, बस हम सबको निष्पक्ष रूप से सभी पीड़ितों ,नेक जनप्रतिनिधियों वा प्रशासन के हित में आवाज उठाने का काम करना है !

संक्षिप्त समाचार

केंद्रों पर इंतजाम, फिर भी नहीं बढ़ रहा अन्नदाता का रुझान

जिले में वर्तमान सत्र में गेहूं खरीद के लिए सरकारी क्रय केंद्रों पर इंतजाम होने के बाद भी अन्नदाता का रूझान नहीं बढ़ रहा है। किसान खुले बाजार में या साहूकारों

के हाथों गेहूं की उपज बेचने में अधिक रुचि दिखा रहे हैं। क्योंकि उन्हें उपज का अधिक मूल्य नकद में मिल रहा है। जिससे वह खुले बाजार में गेहूं बेचने को प्राथमिकता दे रहे हैं। रबी फसलों की खरीद के लिए इस बार 31 मार्च से सत्र शुरू हुआ जो 15 जून तक चलेगा। इसके लिए मुरादाबाद जिले में 69 सरकारी क्रय केंद्र बनाए गए हैं। जिसमें खाद्य विभाग के अलावा विभिन्न एजेंसियों नेफेड, यूपीएसएस आदि के क्रय केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर इलेक्ट्रानिक तौल कांटा और डस्टर, बोरे आदि का प्रबंध किया गया है, लेकिन लगभग 15 दिन होने को हैं और मुश्किल से इन केंद्रों पर 494 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई है।इन केंद्रों पर सरकार के द्वारा निर्धारित 2585 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीद कर आधार कार्ड से लिंक बैंक खाते में धनराशि 72 घंटों अर्थात तीन दिन में हस्तांतरित की जा रही है। न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक दाम किसानों को खुले बाजार में और साहूकारों के हाथ मिल रहा है। इससे वह सरकारी क्रय केंद्रों से मुंह मोड़ रहे हैं। जिला खाद्य विपणन अधिकारी विनीता मिश्रा का कहना है कि पंजीकृत किसानों से क्रय केंद्रों पर पारदर्शिता के साथ गेहूं खरीद के सभी इंतजाम केंद्रों पर किए गए हैं। सरकार का उद्देश्य किसानों का बिचौलियों के हाथों शोषण रोक कर उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना है। खरीद अब बढ़ रही है। किसानों से सीधे भी संपर्क करने के लिए क्रय केंद्रों के प्रभारियों और विपणन निरीक्षकों को निर्देश दिया है कि वह उन्हें सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं बेचने के लिए प्रेरित करें।

2030 तक का इंतजाम कर जा रहा हूं- CM पद से इस्तीफे के साथ नीतीश कुमार का संदेश

नीतीश कुमार ने जाते-जाते बता दिया कि वह 2030 तक भले न रहे, लेकिन 2025 से 2030 तक के लिए विकास की रूपरेखा पर काम शुरू करा चुके हैं।0 साल तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार ने अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंप दिया है। इस्तीफा के बाद बेहद ही शालीनता के साथ उन्होंने सोशल मीडिया पर बिहारवासियों को अपना संदेश दिया।उन्होंने इस पोस्ट में लिखा कि आप जानते हैं कि 24 नवंबर, 2005 को राज्य में पहली बार एनडीए सरकार बनी थी। तब से राज्य में कानून का राज है और हम लगातार विकास के कार्यों में लगे हुए हैं। सरकार ने शुरू से ही सभी वर्गों का विकास किया है, चाहे हिंदू हों, मुस्लिम हों, उच्च वर्ग हो, पिछड़ा वर्ग हो, अति पिछड़ा वर्ग हो, दलित हों या महादलित सभी के लिए काम किया गया है। हर क्षेत्र में कार्य हुआ है, चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, सड़क हो, बिजली हो या कृषि। महिलाओं एवं युवाओं के लिए भी अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं।बिहार और अधिक तेजी से विकसित होगा नीतीश कुमार ने कहा कि हाल के दिनों में विकास कार्यों को और आगे बढ़ाया गया है। अगले पांच वर्षों, अर्थात 2025 से 2030 तक के लिए 'सात निश्चय-3' का गठन किया गया है। इससे विकास कार्यों को और गति मिलेगी और बिहार तेजी से आगे बढ़ेगा। बिहार के विकास में केंद्र सरकार का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को नमन है। बिहार और अधिक तेजी से विकसित होगा, देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा तथा देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगा।हमने बिहार के लोगों के लिए बहुत काम किया है जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नीतीश कुमार ने कहा कि हमने बिहार के लोगों के लिए बहुत काम किया है और लंबे समय से निरंतर उनकी सेवा की है। हमने पहले ही तय किया था कि अब मुख्यमंत्री पद छोड़ देंगे। इसी क्रम में आज मंत्रिमंडल की बैठक के बाद माननीय राज्यपाल से मिलकर अपना इस्तीफा सौंप दिया है। अब नई सरकार राज्य का कार्यभार संभालेगी। नई सरकार को मेरा पूरा सहयोग एवं मार्गदर्शन रहेगा। आगे भी अच्छा काम होगा और बिहार निरंतर प्रगति करता रहेगा। बिहार बहुत आगे बढ़ेगा।

बंगाल के मालदा में रैली के दौरान राहुल गांधी ने पीएम मोदी को घेरा, लगाए कई गंभीर आरोप

राहुल गांधी ने बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा और आरएसएस पर संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा कर लोकतंत्र और संविधान को नष्ट करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनकी लड़ाई नफरत के खिलाफ मोहब्बत की दुकान खोलने की है।पश्चिम बंगाल विधानसभा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा, आरएसएस और सत्तारूढ़ टीएमसी पर जमकर श्रद्धांजलि देते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस है।राहुल गांधी ने कहा कि अंबेडकर, गांधी और नेहरू ने देश को जो संविधान को बिठाकर और वोट चोरी करके नष्ट कर रही है। उन्होंने अपनी भारत जोड़ो नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने आए हैं।प्रधानमंत्री मोदी पर उन्होंने आरोप लगाते हुए पीएम मोदी का कंट्रोल डोनाल्ड ट्रंप के हाथ में है। कि इस डील से भारत के लघु और मध्यम उद्योग बंद हो जाएंगे, किसानों को गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए उन्हें देशभक्त के कसते हुए कहा, भाजपा ने एक ऐसा सिस्टम बनाया है जहां पार्टी का पूरा पैसा अडानी पर अमेरिका में केस चल रहा है और वे देश से बाहर नहीं जा सकते।

चुनाव के प्रचार के लिए रायगंज और मालदा पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने निशाना साधा। रायगंज में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर उन्हें की नफरत भरी विचारधारा देश के संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रही दिया था, उसे भाजपा सीधे तौर पर नहीं बल्कि संवैधानिक संस्थाओं में अपने लोगों यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि उनका मुकाबला नफरत की राजनीति से है और वे सीधा हमला करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पीएम उनसे आंखें नहीं मिला सकते। इसके साथ ही, उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर भी चिंता जताते हुए कहा भी भारी नुकसान होगा और देश में बड़े स्तर पर बेरोजगारी बढ़ेगी। इसी दौरान राहुल बजाय देशद्रोही करार दिया।राहुल गांधी ने अडानी और पीएम मोदी के संबंधों पर तंज अडानी के पास है। उन्होंने इसे %मोदानी% कंपनी करार दिया। उन्होंने यह भी कहा कि मालदा की रैली में राहुल गांधी ने मतदाता सूची से नाम हटाए जाने की प्रक्रिया (स्ट्रक अभ्यास) को असंवैधानिक बताया। उन्होंने वादा किया कि बंगाल में कांग्रेस की सरकार आने पर उन सभी लोगों के नाम सूची में वापस जोड़े जाएंगे जिनके नाम गलत तरीके से हटाए गए हैं। उन्होंने टीएमसी और वामपंथियों को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इन्होंने बंगाल के औद्योगिक क्षेत्र को खत्म कर दिया है। राहुल ने शारदा (1,900 करोड़) और रोज वैली (6,600 करोड़) चिटफंड घोटालों का जिक्र करते हुए टीएमसी को भ्रष्टाचार में भाजपा के बराबर बताया। बता दें कि रायगंज सीट पर कांग्रेस ने मोहित सेनगुप्ता को उतारा है, जिनका मुकाबला टीएमसी के कृष्णा कल्याणी और भाजपा के कौशिक चौधरी से है। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि नतीजे 4 मई को आएंगे। कांग्रेस इस बार राज्य में अपनी खोई हुई पैठ वापस पाने की कोशिश कर रही है।

जिलाधिकारी ने डॉ. आंबेडकर के साहित्य को पढ़ने पर जोर दिया और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने का आह्वान किया

क्यूँ न लिखूँ सच/श्याम जी / फर्रुखाबाद, आज भारत रत्न डॉ0 भीमराव आंबेडकर जी की 135वी जयंती के अवसर पर जिलाधिकारी श्री आशुतोष कुमार द्विवेदी द्वारा जे0एन0वी0 तिराहे पर उनकी मूर्ति एवं कलेक्ट्रेट सभागार में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में एक विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाबा साहब के जीवन, उनके संघर्षों तथा भारतीय संविधान निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण किया। जिलाधिकारी महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ0 आंबेडकर जी ने समाज के सभी वर्गों को समान अधिकार दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित किया,आधुनिक भारत के निर्माण में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है, सभी को उनके साहित्य को पढ़ना चाहिये,उनके विचार आज भी समाज को समानता, न्याय एवं बंधुत्व की दिशा में प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि हमें बाबा साहब के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए समाज में समरसता एवं सामाजिक न्याय को सुदृढ़ करना चाहिए। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), जिला आबकारी अधिकारी, जनपद स्तरीय अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नारी का उत्थान, देश का सम्मान – यह मंत्र है हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का –डॉ लता वानखेड़े सांसद संसदीय क्षेत्र सागर विदिशा

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ इसी विजन को आगे बढ़ाते हुए आज धर्मश्री, सागर में आयोजित %नारी शक्ति वंदन% कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मित हुए । यह गर्व का विषय है कि मोदी जी के नेतृत्व में आज हर क्षेत्र में हमारी बहनें नेतृत्व कर रही हैं। स शानदार और गरिमामय आयोजन के लिए लीगल राइट्स काउंसिल की अध्यक्ष भाभी श्रीमती अनुश्री शैलेन्द्र जैन जी को हृदय से साधुवाद। आपकी यह पहल मातृशक्ति के अधिकारों और स्वावलंबन को नई मजबूती प्रदान करेगी। इस अवसर पर श्री शैलेंद्र जैन जी, श्रीमती ललिता यादव जी, श्रीमती नंदिता पाठक जी, श्रीमती अर्चना सिंह जी, श्रीमती अनुश्री शैलेंद्र जैन जी, श्रीमती पारुल साहू जी,श्रीमती संध्या भार्गव जी, मुख्य वक्ता डॉ. श्वेता नेमा जी ,मेघा दुबे जी एवं डॉ. रोली मुखर्या जी सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं गणमान्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे!

डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर विदिशा में गरिमामय आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ जनप्रतिनिधियों ने विचारों को अपनाने का किया आह्वान समरसता भोज में सभी ने एक साथ बैठकर भोजन प्रसादी ग्रहण की भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर विदिशा जिले भर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। प्रातः प्रभात फेरियों, माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रमों की शुरुआत हुई, जिसमें नागरिकों एवं विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।विदिशा जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर के विचारों को अपने जीवन में उतारकर ही हम उनके सच्चे अनुयायी बन सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिला पंचायत के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचाने और उनके जीवन में आशातीत परिवर्तन लाने के सफल प्रयास किए जा रहे हैं। विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन ने कहा कि बाबा साहब द्वारा निर्मित संविधान ने देश की अनेक कमियों को दूर कर सभी नागरिकों को समानता का अधिकार प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में बाबा साहब की जयंती को शासकीय स्वरूप दिया गया है तथा उनके जीवन से जुड़े स्थानों को तीर्थ-दर्शन के रूप में विकसित किया जा रहा है। विधायक श्री टंडन ने कहा कि भारत रत्न डॉ बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की मंशा के अनुरूप केन्द्र एवं राज्य सरकार के द्वारा गरीबो, शोषित और पिछड़े समुदाय को विकसित करने के लिए विशेष पहल की जा रही है। उन्होंने कहा कि हम सबको संविधान का पालन कर जागरूक नागरिक होने का परिचय देना चाहिए। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा ने भी संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि विपरित परिस्थितियों के बावजूद दृढ़ संकल्प और लक्ष्य के प्रति अडिग रहकर उन्होंने देश का गौरव बढ़ाया, जो हम सभी के लिए अनुकरणीय है।रविन्द्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक भवन ऑडिटोरियम, विदिशा में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को प्रतीक स्वरूप अतिथियों द्वारा हितलाभ का वितरण भी किया गया।

From bad breath to gas, just use these green leaves.

If you want to get rid of everything from stomach problems to bad breath, start using these leaves found in the mountains. Let us explain. The mountains offer many beneficial properties.

Peppermint leaves, hidden among the lush green hills, are among them. These refreshing, green leaves have been considered important not only in home remedies but also in Ayurvedic treatments for centuries. Growing in the cool, clean soil of the mountains, these leaves possess natural medicinal properties. They have long been used as food, chewing, or in tea. These leaves contain compounds that relax and refresh both the body and mind. Regular consumption benefits both health and energy. Let's learn how to use these leaves correctly and the main benefits of consuming them. Aids in digestion - The menthol in peppermint relaxes the stomach muscles, reducing problems like gas, indigestion, and stomach cramps. It helps digest food quickly and controls acidity. Drinking peppermint tea or chewing the leaves soothes the digestive system and makes the stomach feel lighter. Freshening the mouth - Peppermint has natural antibacterial properties, which eliminate harmful bacteria in the mouth and eliminate bad breath. Chewing the leaves or using peppermint oil freshens breath and improves taste. Relieves headaches and fatigue - The aroma of peppermint helps reduce mental stress and mild headaches. The menthol in peppermint relaxes muscles and increases blood circulation. It provides mental freshness and relief when feeling tired. Boosting Immunity - Peppermint contains antioxidants and anti-inflammatory properties, which strengthen the body's immune system. It helps fight colds, viral infections, and other infections. Freshness and Energy - Consuming peppermint leaves maintains energy and freshness in both the body and mind. It reduces fatigue and increases mental alertness. Chewing peppermint leaves on an empty stomach in the morning or drinking tea made from the peppermint leaves can help maintain energy throughout the day.

Start drinking this water regularly, and many problems will be solved without medication!

Everyone needs to take care of their health during the summer season. Therefore, here we will tell you about a homemade detox water. In ancient times, people relied on natural remedies to keep their bodies healthy and refreshed. One such powerful and natural method is drinking barley water. Barley water has long been used in Ayurveda and is considered an effective remedy for internal cleansing and maintaining health. It not only keeps the body hydrated but also alleviates many problems. The method and benefits of consuming it are described later in this article. Barley water is very easy to prepare in the summer. Wash half a cup of barley thoroughly and soak it for 30 minutes. Then, boil it in 4 cups of water over medium heat for 20–25 minutes. After boiling, strain the water and let it cool to room temperature. For flavor, you can add lemon juice, honey, and a few mint leaves. Improves Digestion: Barley water relaxes the stomach muscles and improves the digestive system. The soluble fiber present in it reduces constipation and helps digest food easily. Regular consumption also reduces acidity and gas problems. Detoxes the Body: Barley water naturally helps eliminate toxins from the body. It supports liver and kidney function, keeping the body clean and healthy. Hydration: Drinking barley water in the summer cools the body. It replenishes dehydration and reduces fatigue or heat-related weakness. Boosts Immunity: Barley contains antioxidants and many nutrients, which strengthen the body's immune system. This helps fight colds, coughs, and viral infections. Beneficial for the Skin: Barley water hydrates the body from within and improves skin complexion. It helps in reducing wrinkles and keeping the skin healthy.

What should be done with someone's Aadhaar card if they pass away? UIDAI has explained the correct method, so you can learn.

UIDAI has explained how to deactivate someone's Aadhaar card if they pass away and why it's important. As technology advances, fraudsters are also developing new methods to defraud people. This includes cases of fraud using Aadhaar cards. Keeping this in mind, the Unique Identification Authority of India (UIDAI) has explained how to deactivate a person's Aadhaar card if they pass away and why it's important. Why is it important to deactivate Aadhaar? It's important to prevent misuse of Aadhaar, to prevent fraudulent subsidies in the deceased's name, and to prevent attempts to withdraw pensions. How to deactivate a deceased person's Aadhaar card? For this, UIDAI has told the method. According to this method, first you have to go to the official My Aadhaar portal. Here you have to enter your Aadhaar number. Second step: Then an OTP will come on your registered mobile number, fill it. Now your account will be logged in. Then you have to go to the service section. After this, you have to click on the option of 'Report Death of a Family Member'. Third step: Then fill the required information of the deceased person like Aadhaar number, death certificate number, name etc. Now fill the OTP received on the mobile number and verify your identity through biometrics, then submit the request. Now, if everything is correct, Aadhaar gets deactivated in a few days.

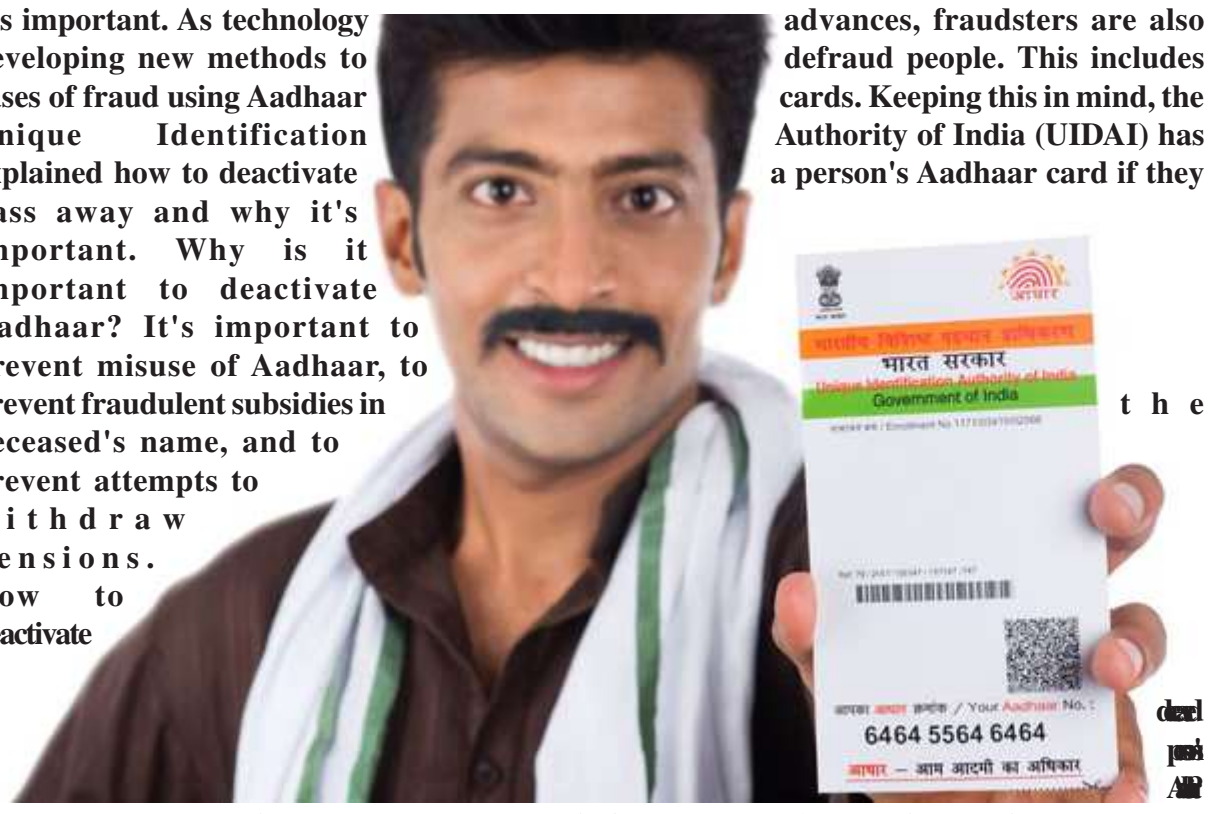

March 2026 was the fourth hottest March in history; people suffering from these diseases should be alert now.

March 2026 was the fourth hottest March in history in terms of global temperatures. Health experts say the increasing heat could be dangerous for people already suffering from chronic diseases. Not even halfway through April, temperatures have already begun to rise rapidly. The sun and heat have already begun to feel like June heat. In many areas, temperatures are being recorded higher than normal. The rapidly increasing heat is not only making people uncomfortable but also increasing health risks. Health experts say the current conditions caused by the sun and heat could be a silent trigger for those already suffering from serious illnesses. Our body remains healthy and functions optimally at a certain temperature, but when temperatures begin to rise, the body has to work harder than usual to keep itself cool. This process causes the heart to beat faster, blood circulation increases, and more sweat is produced. For those with pre-existing conditions like heart disease, diabetes, respiratory disease, kidney problems, or high blood pressure, this heat can cause serious problems. March 2026 - According to the latest data from Europe's Copernicus Climate Change Service (C3S), March 2026 was the fourth hottest March in history in terms of global temperatures. The Earth's average surface temperature during this period was recorded at 13.94 degrees Celsius, 0.53 degrees above the 1991-2020 average. This increase has reached 1.48 degrees Celsius compared to pre-industrial levels. Samantha Burgess, Deputy Director of C3S, said in a recent analysis that the persistently high global temperatures indicate profound changes in the climate system. This is not just an unusual month, but part of a long-term trend driven by human activities. Health experts say that increasing heat can be dangerous for people already suffering from chronic diseases. Risk for those with heart disease: Rising temperatures have a serious impact on heart health. Those with pre-existing high blood pressure and heart conditions should be cautious. As the heat increases, the heart has to work harder than normal to maintain body temperature. The body tries to cool itself through sweating, which dilates blood vessels and causes changes in blood pressure. This can be dangerous for those with pre-existing heart failure, coronary artery disease, or high blood pressure. Diabetics should also be cautious: Rising temperatures can also be dangerous for those with diabetes. High temperatures affect the body's insulin function, which can cause sudden increases or decreases in blood sugar. Diabetics often experience damage to the nerves and sweat glands, weakening the body's natural cooling system. If a person takes insulin, heat can also reduce the effectiveness of the medication, increasing the risk of high blood sugar.

Nag Ashwin compared Mrinal Thakur to Madhubala, saying, "You're amazing" and offered this advice on film selection.

After the release of "Dakait," everyone is praising Mrinal Thakur. Now, Nag Ashwin has also praised her and offered the actress some special advice. Find out what he had to say about

Mrinal... The recently released film "Dakait" is receiving mixed reviews from audiences and critics. However, Mrinal Thakur is receiving rave reviews for her performance. Now, "Kalki 2898 AD" director Nag Ashwin has also praised Mrinal Thakur and offered her some special advice for her upcoming projects. Nag Ashwin is cautious about Mrinal's work. In his speech after praising the film, Nag Ashwin said of Mrinal, "I think you're amazing. I'm usually very careful about the projects you choose." Whenever you do something that is not good, I wonder why is she doing it? She deserves much better work. Whenever there is a character that has depth, sadness or pain, I feel that you belong to the era of Madhubala and Smita Patil, there are very few actresses like her. So please don't do anything wrong and do good work. Mrinal became emotional after hearing the praise. This is the story of 'Dakait' - Directed by Sheneel Dev, 'Dakait' is an action love story film. Apart from Mrinal Thakur, Adivi Sesh and Anurag Kashyap are also in lead roles in the film. While Prakash Raj, Atul Kulkarni, Sunil and Jan Mary Khan are also seen in supporting roles. The story of the film revolves around prisoner Haridas 'Hari', who wants to take revenge from his ex-girlfriend Saraswati, because he has to go to jail due to her betrayal. Mrinal Thakur will be seen in this film with Varun Dhawan - Talking about work front, Mrinal Thakur will now be seen with Varun Dhawan in 'Hai Jawani To Ishq Hona Hai'. Directed by David Dhawan, this film also stars Pooja Hegde, Mouni Roy, Rohit Saraf and Chunky Pandey in important roles. This romantic-comedy film will be released in theatres on 22nd May.

Kristen Stewart, Paramount-Skydance Studios, and 1,000 actors sign an open letter opposing the Warner Bros. Discovery deal. Find out why.

The proposed acquisition of Warner Bros. Discovery by Paramount-Skydance Studios is currently in the news in Hollywood. Many Hollywood stars are opposing this deal. Find out why.

Recently, over 1,000 Hollywood actors, including Joaquin Phoenix, Ben Stiller, and Kristen Stewart, signed an open letter opposing the proposed acquisition of Warner Bros. Discovery by Paramount-Skydance Studios. Why are Hollywood stars opposing this deal? According to Variety, the letter states, "We are concerned about this deal. This deal will benefit a few individuals. It does not reflect the interests of ordinary people involved in the film industry. This will put our industry at risk. A fair and competitive environment is essential for any industry to thrive." It's also important to have well-thought-out rules and follow them. It's worth noting that Paramount Skydance, led by CEO David Ellison, had a dispute with Netflix over assets in late February. It was only after this that they talked about buying David Zaslav's Warner Bros. Discovery for 111 billion USD. Many actors opposed the deal - Many Hollywood actors are opposed to this deal, 1000 Hollywood stars have signed an open letter. Those opposing the deal include actors like Adam McKay, Alan Cumming, Alyssa Milano, Boots Riley, Bryan Cranston, Cynthia Nixon, Damon Lindelof, David Fincher, Denis Villeneuve, Elliot Page, Glenn Close, Jane Fonda, JJ Abrams, Jason Bateman, John Leguizamo, Lin-Manuel Miranda, Margaret Cho, Mark Ruffalo, Noah Wyle, Patti LuPone, Rami Youssef, Rosario Dawson, Rose O'Donnell, Ted Danson, Tiffany Haddish, Tig Notaro, Yorgos Lanthimos, and Yvette Nicole Brown. What are the potential downsides of this deal? Hollywood artists believe that if Paramount Skydance and Warner Bros. Discovery merge, there could be some potential downsides. This deal would mean fewer films and TV shows would be produced, leading to job losses in the filmmaking industry. In fact, when two major studios are owned by the same company, they operate independently. This could put the professional lives of thousands, even millions, of employees at risk in the future.

Salman Khan congratulates Preity Zinta's Punjab Kings, fans recall Bhaijaan's 12-year-old tweet

Salman Khan cheered for Preity Zinta's IPL team, the Punjab Kings. Fans have now remembered his 12-year-old tweet. Find out what Salman wrote... Superstar Salman Khan has been quite active on social media these days.

Salman has tweeted about his friend and actress Preity Zinta, which is making headlines. In this tweet, Salman praised the actress's IPL team, the Punjab Kings. Following this tweet, his 12-year-old tweet is now also going viral on social media. Salman praises Preity Zinta's team - Salman Khan tweeted today mentioning Preity Zinta. In this tweet, he wrote, "Well done Zinta, congratulations Zinta, the team is playing well." Apparently, Salman Khan's tweet was in response to the excellent performance of Preity Zinta's IPL team, the Punjab Kings, this season. Punjab Kings defeated Sunrisers Hyderabad in their last match. Fans said, "It's Tiger Zinta." As soon as Salman Khan's tweet surfaced, netizens remembered Bhaijaan's 12-year-old tweet from 2014. In it, Salman had questioned Preity Zinta's team. In the 2014 tweet, Salman Khan had written, "Did Preity Zinta's team win?" Now, netizens are connecting Salman's new tweet with his old tweet and giving funny reactions. One user wrote, "The sequel is released after 12 years. It's Tiger Zinta." Another said, "It was so much fun the first time that they had to do it again." Another user said, "We remember Salman's tweet before GTA 6." One comment read, "Punjab didn't play yesterday, they're not playing today either." But Salman's love for Zinta remains intact every day. Salman and Preity Zinta have worked together in several films. Salman Khan and Preity Zinta have worked together in several films, including the romantic dramas "Chori Chori Chupke Chupke" (2001) and "Har Dil Jo Pyar Karega" (2000). On the work front, Salman Khan will next be seen in "Motherland." Until March, the film was titled "Battle of Galwan" and was said to be based on the real-life conflict between the Indian and Chinese armies in the Galwan Valley. According to new reports, not only has the title been changed, but references to China and the Galwan Valley have also been removed from the film, and extensive reshoots are underway. However, the film's release date has not yet been finalized. Preity Zinta is ready to return to the big screen. She will be seen in "Lahore 1947" and another project titled "Vibe." "Vibe" was officially announced at a Prime Video event, where Preity appeared with her co-star Kunal Kemmu. "Lahore 1947" stars Sunny Deol, Shabana Azmi, Ali Fazal, and Karan Deol in lead roles alongside Preity. Produced under Aamir Khan's production house, the film is directed by Rajkumar Santoshi.